दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-4 अंक-275 भोपाल, शनिवार 14 अगस्त, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

आज का सुविचार

सत्य से कीर्ति प्राप्त की जाती है और सहयोग से मित्र बनाए जाते हैं।
-कौटिल्य अर्थशास्त्र

पंचांग

श्रावण कृष्ण पक्ष
दसमी, शुक्रवार
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	5:55/6:56
वर्षा/बादल %	10 %
नमी %	68 %
वायु (किमी/घ.)	14
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	31°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला
₹ 48,045

शेयर सूचकांक

बीएसई	55437.29	+593.31
निफ्टी	16529.10	+164.70

हरियाली सूचकांक

भारत 22%
म.प्र. 32%

माँ प्रकृति की सेवा को भी समय दें

जानलेवा हो रहा डेल्टा प्लस वैरिएंट

महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस वैरिएंट से हुई 3 की मौत, मुंबई में मौत का पहला मामला सामने आया

मुंबई। महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस वैरिएंट की वजह से शुक्रवार को एक और मौत की पुष्टि हुई है। रायगढ़ की जिलाधिकारी निधि चौधरी के मुताबिक, यहां एक 69 वर्षीय महिला ने संक्रमण के बाद दम तोड़ा है। इसी के साथ राज्य में इस वैरिएंट से हुई मौत का यह तीसरा मामला है। इससे पहले गुरुवार को मुंबई के घाटकोपर इलाके में 63 वर्षीय महिला की डेल्टा प्लस वैरिएंट से मौत की पुष्टि हुई है। 21 जुलाई को कोरोना संक्रमित होने के बाद 27 जुलाई को इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया था। BMC के मुताबिक, गुरुवार को उनकी नई रिपोर्ट आई, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि उनकी मौत डेल्टा प्लस वैरिएंट से हुई है। खास बात ये है कि महिला ने वैक्सीन की दोनों डोज ली थीं।

कश्मीर में भाजपा नेता के घर आतंकी हमला

आतंकियों ने राजौरी में भाजपा नेता के घर 3 ग्रेनेड फेंके, 2 साल के मासूम की मौत

» 5 की हालत गंभीर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज श्रीनगर

आतंकवादियों ने कश्मीर में एक बार फिर भाजपा नेताओं को निशाना बनाया। राजौरी में गुरुवार रात आतंकवादियों ने भाजपा के मंडल अध्यक्ष जसबीर सिंह के घर ग्रेनेड अटैक किया। जसबीर के घर 3 ग्रेनेड फेंके गए थे। इस हमले में उनके महज 2 साल के भतीजे वीर सिंह की जान चली गई। BJP ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और शुक्रवार को राजौरी में विरोध प्रदर्शन भी किया है। भाजपा ने अपील की है कि सुरक्षा बल और पुलिस जल्द से जल्द हमला करने वाले आतंकियों को खत्म करे। इस हमले के विरोध में शनिवार को राजौरी बंद भी बुलाया गया है। पुलिस के मुताबिक, आतंकियों ने हमला तब किया जब जसबीर सिंह अपने परिवार के साथ बैठे थे। हमले में जसबीर के अलावा अर्जुन सिंह, जसबीर की माता सिया देवी, भाई बलबीर और उनके बेटे कर्ण सिंह घायल हुए हैं। 2 साल के वीर सिंह को नहीं बचाया जा सका।

BSF के काफिले को भी बनाया था निशाना

खांडली इलाके में भाजपा के मंडल अध्यक्ष जसबीर सिंह के घर हुए हमले के बाद इलाके को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। इससे पहले आतंकियों ने गुरुवार को दिन में कुलगाम में बस्स के काफिले पर हमला कर दिया था। इसके बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया और दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। इस दौरान आतंकियों की गोली लगने से 2 सुरक्षाबल और 2 आम नागरिक घायल हो गए। ये हमला काजीगुंड के मालपोरा में जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर हुआ था।

एक साल में भाजपा के 6 नेताओं पर आतंकी हमले

घाटी में पिछले कुछ समय से भाजपा नेता आतंकियों के निशाने पर रहे हैं। 9 अगस्त को ही अनंतनाग में आतंकियों ने भाजपा नेता गुलाम रसूल डार और उनकी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पिछले साल 8 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के भाजपा नेता वसीम बारी की हत्या कर दी गई थी। 4 अगस्त को कुलगाम में भाजपा नेता आरिफ अहमद पर हमला हुआ था। इसके बाद 6 अक्टूबर को आतंकियों ने गांदरबल में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष गुलाम कादिर की हत्या कर दी थी। इधर बडगाम में भी भाजपा के एक कार्यकर्ता को निशाना बनाया गया था।

तालिबान के शिकंजे में अफगानिस्तान

हेरात के पूर्व गवर्नर और भारत के खास दोस्त इस्माइल खान का सरेंडर; फ्रेंडशिप डैम बनवाने में थी अहम भूमिका

तालिबान। दिन के अंदर अफगानिस्तान के दूसरे सबसे बड़े शहर कंधार समेत अब तक 13 प्रांतों पर कब्जा कर चुका है। वहीं, तालिबान के खिलाफ लड़ने वाले लोग भी अब सरेंडर करने लगे हैं। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत के गर्वनर रहे इस्माइल खान भी इस वक्त तालिबान के कब्जे में हैं। वे तालिबान के खिलाफ लड़ने वाले प्रमुख लोगों में शामिल थे, लेकिन अब उन्होंने तालिबान के आगे सरेंडर कर दिया है। बता दें इस्माइल खान अफगानिस्तान में भारत के करीबी दोस्त थे। उन्होंने हेरात में भारत की मदद से अबने सलमा बांध के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। इस डैम का इनॉग्रेशन 4 जून 2016 को किया गया था। ये हेरात के चिश्ती शरीफ जिले में स्थित हारी नदी पर बना है। बाद में इसका नाम सलमा डैम से बदलकर अफगानिस्तान-इंडिया फ्रेंडशिप डैम कर दिया गया था। तालिबान से जंग के बाद इस्माइल खान और उनके सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया। वे तालिबान के लड़ाकों के साथ अपने घर में हैं।

हवाई यात्रा महंगी होगी

सरकार ने मिनिमम किराए की लिमिट 10 फीसदी और मैक्सिमम की 13 फीसदी बढ़ाई

भोपाल से दिल्ली के लिए 4,500 से 13,000 रुपए देने होंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हवाई यात्रा करने वाले लोगों को अब ज्यादा किराया चुकाना होगा। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने अब मिनिमम और मैक्सिमम किराए की सीमा बढ़ा दी है। इससे एयरलाइंस कंपनियां किराया बढ़ा सकती हैं। कम से कम किराया 10 फीसदी और ज्यादा से ज्यादा 13 फीसदी किराया बढ़ेगा। दरअसल, पिछले साल देश भर में लॉकडाउन के बाद मई में सरकार ने हवाई किराये की एक सीमा तय कर दी थी। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि तब कम संख्या में

फ्लाइट चल रही थीं। इससे कंपनियां टिकट के लिए ज्यादा पैसा वसूल रही थीं। अब जब लॉकडाउन में ढील दे दी गई है और हवाई यात्रियों की संख्या भी बढ़ रही है, ऐसे में सरकार ने इस सीमा को बढ़ा दिया है। सरकार ने मिनिमम किराये में 9.83 फीसदी की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है। मैक्सिमम किराया 12.82 फीसदी बढ़ाया गया है। एविएशन मंत्रालय ने गुरुवार देर रात ऑर्डर जारी कर इसकी जानकारी दी है।

महाकाल मंदिर में हंगामा : कैलाश विजयवर्गीय की वजह से पुजारियों को गेट पर रोका, सीसीटीवी बंद किए

भस्म आरती में आधे घंटे की देर हुई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय, उनके बेटे आकाश और बीजेपी विधायक रमेश मेंदोला की वजह से शुक्रवार को उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में हंगामा हो गया। इसके चलते भस्म आरती में आधे घंटे की देरी हो गई। तीनों नेता शुक्रवार सुबह महाकाल के दर्शन करने पहुंचे थे और उनके आते ही मंदिर प्रशासन ने सभी गेट बंद कर दिए। बताया जा रहा है कि CCTV कैमरे भी बंद कर दिए गए थे। सुबह 4 बजे भस्म आरती करने जब मुख्य पुजारी अजय और दूसरे पुजारी गेट नंबर चार पर पहुंचे तो उन्हें वहीं रोक दिया गया।

इसके कुछ देर बाद आगे जाने दिया गया तो सूर्यमुखी द्वार पर फिर से रोक दिया गया। पुजारी अजय ने यहां तैनात वाणिज्यिक कर अधिकारी दिनेश जायसवाल से रोकने की वजह पूछी तो वे बहस करने लगे। इसी बीच पुजारियों ने सभा मंडप में कैलाश विजयवर्गीय के साथ आकाश और रमेश मेंदोला को देखा तो वे भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से शिकायत करेंगे। इस मामले में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि नियम तोड़ कर मंदिर में प्रवेश करने वाले रावण के अवतारी लोग हैं।

भस्म आरती में एक साल से श्रद्धालुओं को एंट्री नहीं

पुजारियों में हंगामे को लेकर मंदिर प्रशासन कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। वहीं पुजारियों का कहना है कि फिलहाल उनके अलावा किसी और को गर्भगृह में जाने की इजाजत नहीं है। ऐसे में नेताओं को किसके आदेश से गर्भगृह तक जाने दिया गया, इसकी जांच कराई जाए। बता दें कोरोना प्रोटोकॉल के चलते भस्म आरती में श्रद्धालुओं की एंट्री एक साल से बंद है।

दान में आगे कॉर्पोरेट लीडर्स : परोपकार करने में मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी आगे रहती हैं

अडाणी, नीता अंबानी और कुमार मंगलम बिरला टॉप 100 भारतीयों में, दुनिया भर में परोपकारी गतिविधियों में आगे

इस परोपकारी लिस्ट में तीन लोग यूनाइटेड किंगडम (यूके) से हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

गौतम अडाणी, नीता अंबानी और कुमार मंगलम कॉर्पोरेट लीडर्स की लिस्ट में 100 भारतीयों में शामिल हैं। इन्होंने दुनिया भर में अपनी परोपकारी गतिविधियों के जरिए अपनी छाप छोड़ी है।

अमेरिकी संस्था ने जारी की रिपोर्ट:- अपनी तरह की यह पहली और अनूठी लिस्ट गुरुवार को अमेरिका स्थित इंडियास्पोरा ने जारी की। इसमें 9 जूरी सदस्यों के मार्गदर्शन और प्रतिष्ठित अध्ययनों सहित कई स्रोतों से सत्यापित जानकारी जुटाई गई थी। इस सूची में भारत के उद्योगपति गौतम अडाणी, नीता

अंबानी और कुमार मंगलम बिड़ला टॉप पर हैं। अमेरिका से मोंटे आहूजा, अजय बंगा और मनोज भार्गव हैं। कनाडा से सोनम अजमेरा, बॉब ढिल्लों और आदित्य झा हैं। लिस्ट के अनुसार, मोहम्मद अमीरसी, मनोज बांले और कुजिंदर बाहिया यूनाइटेड किंगडम से हैं।

परोपकारी लोगों को देखना प्रेरणादायक है:- इंडियास्पोरा के संस्थापक रंगास्वामी ने कहा कि हमारे समुदाय के इतने सारे परोपकारी लोगों को देखना अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक है। इन्होंने अपनी सफलता से न सिर्फ सामाज को प्रेरणा दी है बल्कि उनकी भलाई के लिए सीधे तौर पर काम भी किया है। उन्होंने कहा कि ये बिजनेस लीडर्स अपनी उदारता के लिए भी जाने जाते हैं। उसके अनुसार काम भी करते हैं। हमें कई समाजिक मुद्दों की याद दिलाते हैं जिन पर हमारा ध्यान देने की जरूरत है।

कोशिश का हिस्सा बनना खुशी की बात है:- सोमरविले कॉलेज में डायरेक्टर ऑफ डेवलमेंट और जूरी सदस्यों में से एक सारा कलीम ने कहा कि इस कोशिश का हिस्सा बनना बहुत खुशी की बात है। जिस तरह से इस लिस्ट में शामिल सभी लोगों के बारे में काफी सावधानी पूर्वक विचार विमर्श किया उससे मैं काफी प्रभावित हूं।

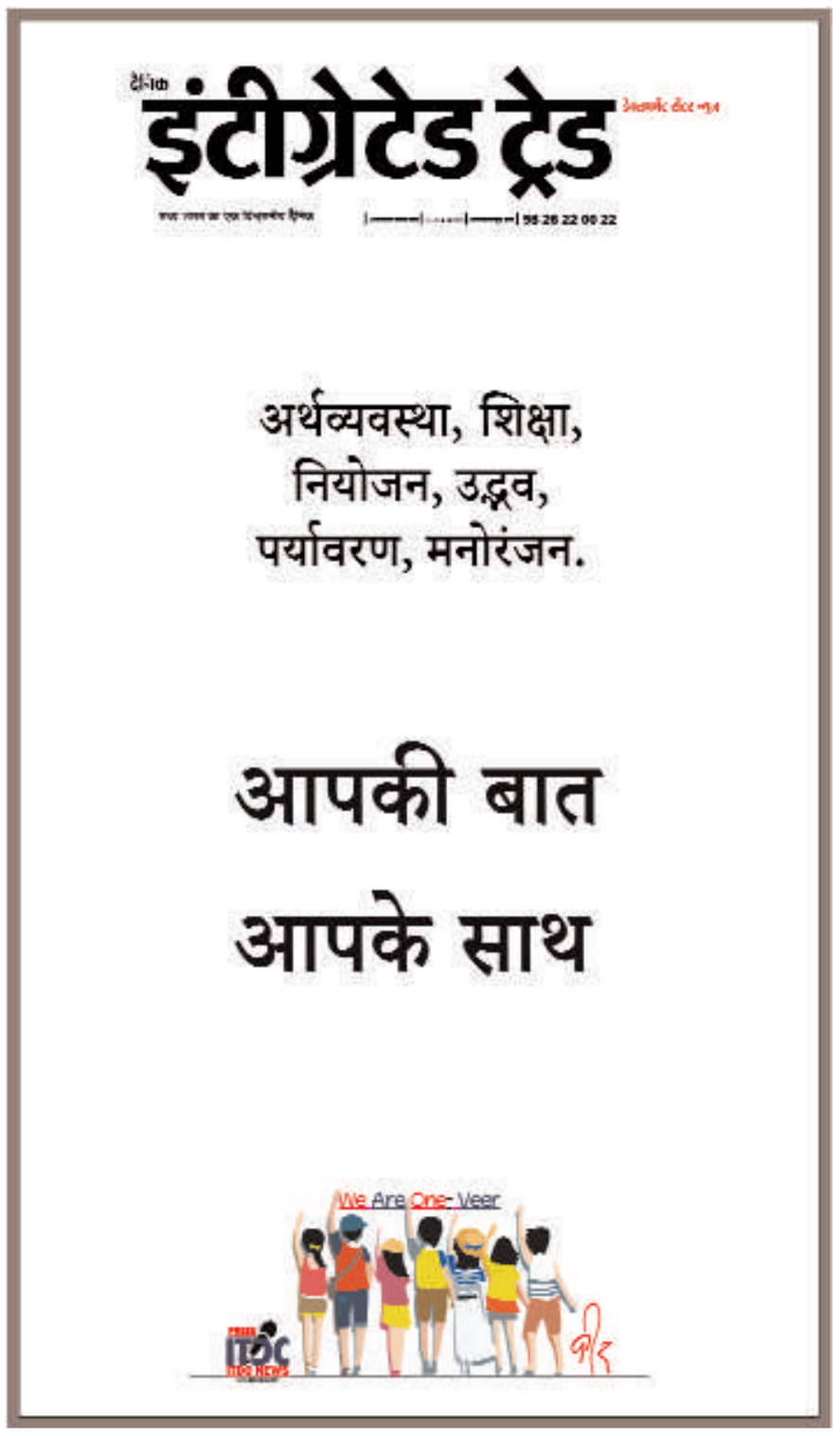

वन्य जीव संरक्षण में आदर्श राज्य बना मध्यप्रदेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

वन्य प्राणी के स्वच्छंद विचरण से प्रकृति का सौंदर्य कई गुना बढ जाता है। वन्य प्राणी आम-जन के आस-पास रहते हुए सह-अस्तित्व की स्थिति का स्मरण कराते रहते हैं। मध्यप्रदेश को प्रकृति ने अति समृद्ध हरित प्रदेश बनाया है। मध्यप्रदेश ने इसलिये वन्य प्राणी संरक्षण और प्रबंधन पर विशेष ध्यान देकर वन्य प्राणी समृद्ध प्रदेश बनाने में किसी प्रकार का कोई प्रयास नहीं छोडा। परिणाम सामने है कि प्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल है। अब तेंदुओं की संख्या भी देश में सबसे ज्यादा है। घड़ियाल और गिद्धों की संख्या के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर नम्बर-वन बनने की स्थिति में आ चुका है। सुखद पहलू यह है कि सतपुड़ा टाईगर रिजर्व को यूनेस्कों

की विश्व धरोहर स्थल की संभावित सूची में शामिल किया गया है। सतपुड़ा टाईगर रिजर्व बाघ सहित कई वन्य-जीवों की आदर्श आश्रय स्थली और प्रजनन के सर्वाधिक अनुकूल स्थान है।

मध्यप्रदेश बना रहेगा टाइगर स्टेट:- तीन साल पहले वर्ष 2018 में हुई बाघों की गणना में 526 बाघ होने के साथ प्रदेश को टाईगर स्टेट का दर्जा मिला। इन बाघों में लगभग 60 फीसदी टाइगर रिजर्व के क्षेत्रों और 40 फीसदी बाघ अन्य वन क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। बांधवगढ टाइगर रिजर्व में सर्वाधिक 124 बाघ मौजूद हैं। इस साल अक्टूबर माह में तीन चरणों में होने वाली बाघों की गणना के प्रारम्भिक रूझानों के आधार पर विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि बाघों की संख्या के मामले में मध्यप्रदेश पुन- टाप पर होगा। यह संख्या 700 से ज्यादा होने की उम्मीद है। टाइगर स्टेट का दर्जा दिलाने में अति विशिष्ट योगदान देने वाली पेंच टाइगर रिजर्व की कालर कली बाघिन का नाम विश्व में सबसे ज्यादा प्रसव और शावकों के जन्म का अनूठा कीर्तिमान भी है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पिछले डेढ़ दशक के दरम्यान श्रेष्ठ और सतत वन्य प्राणी प्रबंधन के प्रयासों से यह मुकाम हासिल हुआ है।

तेन्दुओं की संख्या देश में सबसे ज्यादा

पिछले साल के अंत में केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री द्वारा तेन्दुए की आबादी की अखिल भारतीय आकंलन की प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार देशभर में 12 हजार 852 तेन्दुए थे। अकेले मध्यप्रदेश में यह संख्या 3 हजार 421 आंकी गई है। देश में तेन्दुए की आबादी में औसतन 60 फीसदी वृद्धि हुई जबकि प्रदेश में यह वृद्धि 80 फीसदी थी। देशभर में तेन्दुओं की संख्या में 25 प्रतिशत अकेले मध्यप्रदेश में है। इस वर्ष हुई प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना के अनुसार प्रदेश में 9446 गिद्ध प्रदेश में थे जो अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है।

कोविड महामारी से अनाथ हुए बच्चों के लिए केन्द्र की पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना

» 23 वर्ष की आयु पर मिलेंगे 10 लाख रुपये

» मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के हितग्राही भी होंगे पात्र

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

केन्द्र सरकार द्वारा कोरोना महामारी के कारण जिन बच्चों के माता-पिता, कानूनी अभिभावक या दत्तक माता-पिता की मृत्यु हो गई है, उन्हें पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना में सहारा दिया जायेगा। इस योजना के लिये प्रदेश की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के बाल हितग्राही भी पात्र होंगे।

योजना में बाल हितग्राही को सहायता:- पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना में बाल हितग्राही के 18 वर्ष के होने पर बच्चे के नाम से 10 लाख रुपये के कार्पस का प्रावधान किया गया है। इसी कार्पस से बच्चे को मासिक आर्थिक सहायता दी जायेगी। बाल हितग्राही की आयु 23 वर्ष होने पर उन्हें 10 लाख रुपये दिये जायेंगे। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बाल हितग्राही को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जायेगा। योजना में बाल हितग्राही को 10 वर्ष की आयु तक नजदीकी केन्द्रीय विद्यालय अथवा निजी विद्यालय में गैर-आवासीय विद्यार्थी के रूप में प्रवेशित कर शिक्षा के अधिकार प्रावधानों के अनुरूप फीस केन्द्र सरकार द्वारा वहन की जायेगी। इसके अतिरिक्त उन्हें किताबों, नोट-बुक, यूनिफार्म पर व्यय राशि भी प्रदान की जायेगी। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत बाल हितग्राही के 11 से 18 वर्ष आयु समूह में होने पर केन्द्रीय आवासीय विद्यालय जैसे नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल आदि में प्रवेशित किया जायेगा। यदि हितग्राही संयुक्त परिवार में निवासरत है, तो नजदीकी केन्द्रीय विद्यालय या निजी विद्यालय में गैर-आवासीय विद्यार्थी के रूप में प्रवेशित किया जायेगा।

आवेदन की प्रक्रिया

योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों के चिन्हांकन की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा की जायेगी। पात्र सभी बच्चों की प्रविष्टि pmcaresforchildren.in पोर्टल पर अपलोड की जायेगी। इसके अतिरिक्त ्रसिटीजन लॉग इन%% से सीधे आवेदन को भरा जा सकता है अथवा बाल कल्याण समिति के लॉग इन से भी आवेदन किया जा सकता है। योजना में माता-पिता की कोविड से मृत्यु संबंधी प्रमाण-पत्र का होना अनिवार्य नहीं है। किन्तु कलेक्टर द्वारा बच्चे के माता-पिता की मृत्यु कोविड से होने के संबंध में संतुष्टि होने और सत्यापन किये जाने पर ही बच्चे को लाभान्वित किया जायेगा। सिटीजन लॉग इन अंतर्गत एक मोबाइल नम्बर से अधिकतम 10 आवेदन फीड किये जा सकते हैं।योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी/सहायता भारत सरकार द्वारा जारी सम्पर्क नं. 011-23385289 अथवा ई-मेल cww-section-mwcd@gov.in पर सम्पर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने वीर दुर्गादास राठौर और माता अहिल्या बाई होल्कर को किया नमन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मुख्यमंत्री निवास सभाकक्ष में वीर दुर्गादास राठौर की जयंती और माता अहिल्या बाई होल्कर की पुण्य-तिथि पर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीर दुर्गादास राठौर और माता अहिल्या बाई होल्कर के चित्रों पर पुष्प-अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने वीर दुर्गादास जी और माता अहिल्या के योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री हरिशंकर खटीक भी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

भोपाल में अनूठी प्रदर्शनी

तात्याटोपे को फांसी दिए जाने से लेकर कई बहूमूल्य दस्तावेज लगाए गए; 20 अगस्त तक सभी के लिए फ्री

भोपाल। देश आजादी के 75 साल में प्रवेश कर रहा है। ऐसे में राजधानी में स्वतंत्रता संग्राम से लेकर तिरंगा फहराने तक के भावनात्मक पलों को सहेजना का प्रयास किया जा रहा है। देश के स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष से लेकर आजादी की खुशियों तक की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। भोपाल के राज्य संग्रहालय में सचिव, संस्कृति और पर्यटन शिव शेखर शुक्ला ने आजादी के इस अनूठे संग्रह को आम लोगों को खोल दिया। यह 20 अगस्त तक सभी के लिए निशुल्क रहेगा। इसमें तात्याटोपे को मिली फांसी की खबरे, देश के महत्वपूर्ण पलों से लेकर अंडमान निकोबार की जेल तक की तस्वीरें और दस्तावेजों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी को देखने के लिए आम लोग डिपो चौराहे और श्यामला हिल्स के रास्ते म्यूजियम तक पहुंच सकते हैं।

आजादी के परमानों के फोटो

प्रदर्शनी में देश के स्वतंत्रता सेनानियों के फोटो और दस्तावेज हैं। जैसे झांसी की रानी, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा, देश के विभाग की तस्वीर, आजादी की कविताएं, मंगलवार पाडे की तस्वीर आदि हैं। इसके अलावा, भारत के विभाजन के पहले का भारत का नक्शा।

मंत्री श्री सारंग ने 24 घन्टे 7 दिन चलने वाले टीकाकरण केन्द्र का किया शुभारंभ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा में करोंद क्षेत्र के सरदार पटेल स्कूल में केयर संस्था के सहयोग से 24 घन्टे 7 दिन चलने वाले टीकाकरण केन्द्र का शुभारंभ किया। मंत्री सारंग ने बताया कि यहाँ दोनों प्रकार की वेक्सीन उपलब्ध है। यहाँ पहला और दूसरा डोज लगाया जा रहा है। केन्द्र पर ऑन लाईन/ऑफ लाईन दोनों तरह की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का प्रत्येक नागरिक वेक्सीनेट हो जाये, यह सरकार का प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में नित नये प्रयोग एवं नवाचार मध्यप्रदेश में हो रहा है।

श्री सारंग ने कहा कि कोविड संक्रमण रोकने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने काम किया। उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था को सुचारू किया। आर्थिक स्थिति को पुन- प्लानिंग कर सुदृढ़ किया। वेक्सीन का निर्माण करवाया और भारत को कोरोना मुक्त करने के सफल प्रयास किये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि डॉक्टर और मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी भरकस प्रयास किये। टीका बनाने से लेकर टीकाकरण कराना एक चुनौती पूर्ण कार्य रहा लेकिन सभी के सहयोग से इसमें सफलता प्राप्त हुई है।

प्रदेश के जन-भागीदारी मॉडल से मिली कोरोना नियंत्रण में अपार सफलता

मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण से पार पाने के और प्रदेशवासियों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए जन-भागीदारी का जो मॉडल अपनाया गया, वह अन्य राज्यों के लिए चर्चा का विषय बन गया। इसमें मुख्य रूप से कोरोना सक्रंमण के उपचार की व्यवस्थाओं के साथ जन-जागरूकता संबंधी कार्यों ने महती भूमिका निभाई। कोरोना की पहली और दूसरी लहर से ?निपटने में रही कमियो को दूर करते हुए संभावित तीसरी लहर के प्रति अधिक सर्तकता और सजगता बरती जा रही है। इन प्रयासों में चिकित्सकीय अधो-संरचनाओं का व्यापक विस्तार के साथ ऑक्सीजन के नवीन प्लांट लगाकर मध्यप्रदेश को आत्म-निर्भर बनाया जा रहा है। प्रदेश में कोविड-19 महामारी पर नियंत्रण रखने का परिणाम है कि आज की स्थिति में नाम मात्र के 131 सक्रिय कोविड-19 मरीज़ हैं।

शहरों के विकास के नये प्रोजेक्ट बनने के साथ ही क्रियान्वयन भी समय-सीमा में

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

नागरिकों को मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराने, शहरों को स्वच्छ रखने, पर्यावरण संरक्षित करने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को गति देने के लिए नगरीय आवास एवं विकास विभाग पूरी शिद्दत के साथ कार्य कर रहा है। शहरों के विकास के लिए नये नियम और प्रोजेक्ट बनाने के साथ ही उनका क्रियान्वयन भी समय-सीमा में किया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह स्वयं प्रति सप्ताह योजनाओं की समीक्षा करते हैं। परिणाम स्वरूप प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय कार्य किया है। प्रोजेक्ट के 6 वर्ष पूरे हो चुके हैं। प्रदेश के भोपाल और इंदौर ही नहीं अन्य शहर जिनमें स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है, में भी लक्ष्य के अनुरूप कार्य चल रहा है। इसी का परिणाम है कि भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा घोषित इंडिया स्मार्ट अवॉर्डस् कांटेस्ट-2020 में ओवरऑल इंदौर को प्रथम स्थान प्रदेश की 5 स्मार्ट सिटी को 11 अवॉर्ड और राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रोजेक्ट अवार्ड

बिल्ट एनवायर्नमेंट थीम - इंदौर को 56 दुकान प्रोजेक्ट के लिए प्रथम स्थान मिला। सेनिटेशन थीम - इंदौर को तिरूपति शहर के साथ म्युनिसिपल वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम थीम में प्रथम स्थान मिला। कल्चर थीम - इंदौर को कन्ज़रवेशन ऑफ बिल्ट हेरिटेज के लिए प्रथम स्थान एवं ग्वालियर को डिजिटल म्यूजियम के लिए तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इकॉनॉमी थीम - इंदौर को कार्बन क्रेडिट फाइनेंसिंग मेकेनिज्म के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। अर्बन एनवायर्नमेंट थीम - भोपाल को चेन्नई के साथ क्लीन एनर्जी के लिए प्रथम स्थान मिला।

इनोवेशन अवार्ड

इनोवेशन आइडिया अवार्ड थीम में इंदौर को कार्बन क्रेडिट फाइनेंसिंग मेकेनिज्म के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रोपा सप्तपर्णी का पौधा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान में सप्तपर्णी का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम मे प्रतिदिन पौधा लगा रहे हैं। सप्तपर्णी, एक सदाबहार औषधीय वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री हरिशंकर खटीक और डॉक्टर कैलाश जाटव उपस्थित थे।

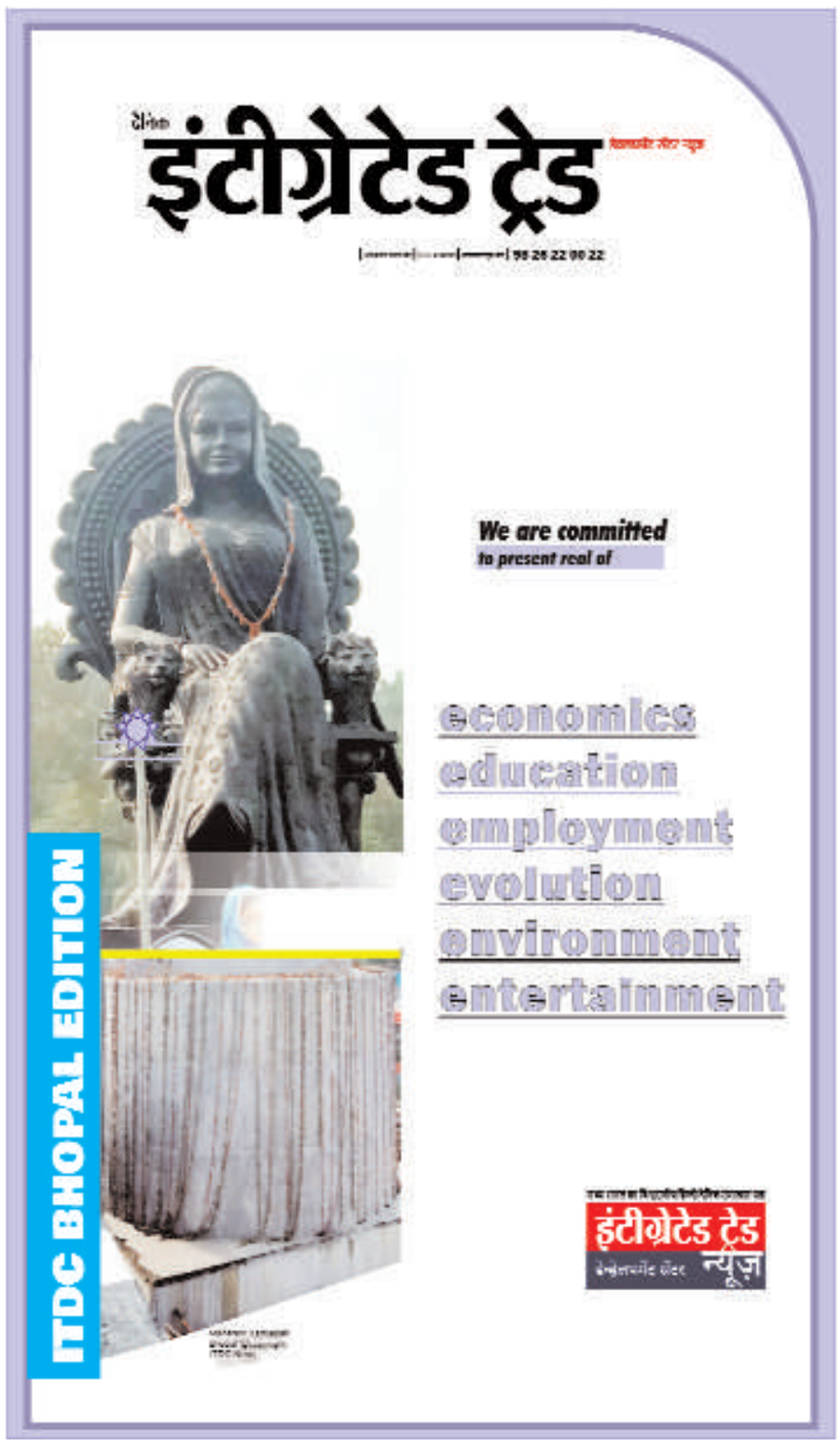

डिजिटल साक्षरता आज की जरूरत : श्रीमती सिंधिया

» आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश पर वर्चुअल एम्पलाईमेंट कॉन्क्लेव 2021 का समापन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने गुरूवार को %आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश% पर वर्चुअल एम्पलाईमेंट कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल साक्षरता आज की जरूरत है और ऐसी मानसिकता विकासित करना आवश्यक है। कोविड ने हम सभी को डिजिटल होने पर मजबूर किया है। हमें तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए युवाओं में इस सोच को विकसित करना होगा कि वे मात्र पाठ्यक्रम के विषयों पर केन्द्रित न रहकर आधुनिकतम तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी से भी पूर्ण रूप से वाफिक हो। युवा समस्याओं के निराकरण की जानकारी के अतिरिक्त इस बात के लिए भी अपने आप को तैयार करें कि इसका क्रियान्वयन कैसे और कहाँ किया जा सकता है। मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश ने डिजिटल स्किलिंग को अपने एजेंडें में प्रमुख स्थान दिया गया है। हम इस पर पिछले कुछ महीनों से एक्शन प्लान बनाकर निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी जीवन के हर क्षेत्र में लागू होती है। शैक्षणिक संस्थानों में सैद्धांतिक ज्ञान से ज्यादा व्यवहारिक पढ़ाई पर जोर दिया जाना चाहिए। हमने एक नया प्रयोग किया था, जिसमें हमारे लगभग 40 हजार बच्चों ने माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी के माध्यम से ए.आई. कोर्स की जानकारी से रू-ब-रू हुए थे। श्रीमती सिंधिया ने कहा कि तकनीकी शिक्षा विभाग ने कॉगनीज़ेन्ट, इनफोसिस, परसिसटेंट, केपेमिनी जैसी देश की प्रतिष्ठित कम्पनियों के साथ मिलकर प्रदेश के युवाओं के भविष्य को सॅवारने के लिए नित नए प्रयोग कर रहा है। तकनीकी शिक्षा, नैसकॉम, इन्फोसिस के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित वर्चअत कान्वलेव के विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञों ने अपने सुझाव दिए। एम.डी. परसिसटेंट सिस्टम के डा. आनन्द देशपाण्डे ने कहा कि कोरोना ने आजीविका पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। परन्तु इस डिजिटाइजेशन ने प्रौद्यागिकी की मदद की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वॉर फार टेलेंट में बढ़ोत्तरी हुई है। नई कम्पनियाँ सर्वोत्तम प्रतिभा की खोज में हैं। अपने विषयों के अलावा शार्ट टर्म कोर्सस अपना कर नई दिशा में कार्य किया जा सकता है।

एम.डी. ष्ट्वस्ष्टह्व श्री हरीश कृष्णन ने कहा कि कोविड व्यवधान ने हमें कहीं से भी किसी भी समय काम करने के नए आयाम दिखाए हैं। यह चलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही ष्ट्वस्ष्टह्व युवाओं के लिए साइबर सेक्युरिटी स्पोकन इंग्लिश आदि पर पाठ्यक्रम शुरू करेगा। कॉगनीज़ेंट की वाइस प्रेसिडेंट सुश्री माया श्रीकुमार ने जानकारी साझा की, कि किस तरह से शैक्षणिक उद्योगों के लिए प्रतिभाओं को निखार सकती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को तकनीक के माध्यम से समस्याओं को समझना और उनकी पहचान करना आना आवश्यक है। यह हुनर उन्हें भविष्य में सफलता दिलायेगा। पाठ्यक्रम के विषयों को कम कर कौशल व्यवहारिक ज्ञान में वद्धि करें। कैपजमीनी की निदेशक सुश्री तेजीन्दर सेठी ने कहा कि डिविटाइजेशन हर रोज नये रूप में आ रहा है। किराने की दुकान में भी अब डिजिटल पेमेन्ट होता है। सब लोग डिजिटली ट्रांसफार्म हो रहे है। उन्होनें कहा कि इसका नकारात्मक प्रभाव भी है।

न्यूज ब्रीफ

कमिन्स इंडिया का जून तिमाही में एकल लाभ तीन गुना बढ़कर 66.76 करोड़ रु

नई दिल्ली। इंजन और उससे जुड़े कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी कमिन्स इंडिया का तेज घरेलू और निर्यात बिक्री के कारण अप्रैल-जून 2021 तिमाही में एकल लाभ तीन गुना से अधिक वृद्धि के साथ 66.76 करोड़ रुपये रहा। एक नियामकीय सूचना के अनुसार, पुणे की इस कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में 17.89 करोड़ रुपये का एकल लाभ कमाया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन से हासिल होने वाला राजस्व 41 प्रतिशत बढ़कर 1,167.3 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 484.06 रुपये था। कंपनी ने बुधवार देर शाम जारी की गयी एक विज्ञप्ति में कहा, इस तिमाही में हमारे घरेलू बाजारों ने बुनियादी ढांचे पर सरकार के जोर देने, मांग में सुधार और कई क्षेत्रों में आर्थिक सुधार की वजह से सकारात्मक रुख दिखाया। कमिन्स इंडिया ने साथ ही बताया कि कोविड की स्थिति में सुधार के साथ निर्यात बाजार में भी उसकी मांग में तेजी देखी गयी।

शुरुआती कारोबार में रुपये में डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट

नई दिल्ली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 74.28 प्रति डॉलर पर आ गया। हालांकि विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने के चलते रुपये में और गिरावट पर रोक लगी। रुपया शुरुआत में 74.27 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद और गिरकर 74.28 प्रति डॉलर पर आ गया। बृहस्पतिवार के बंद स्तर की तुलना में यह तीन पैसे की गिरावट है। बृहस्पतिवार को रुपया 74.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर, बीएसई सेंसेक्स 278.94 अंक की बढ़त के साथ रिकॉर्ड 55,122.92 पर कारोबार कर रहा था, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 85.20 अंक बढ़कर 16,449.60 पर कारोबार कर रहा था।

पीपीएफ में निवेश करके कमा सकते हैं एफडी से ज्यादा रिटर्न, टैक्स छूट और लोन का भी मिलेगा फायदा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगर आप कहीं ऐसी जगह निवेश करना चाहते हैं जहां आपको फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा रिटर्न मिले और आपका पैसा भी सुरक्षित रहे तो आप पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) में निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम के तहत फिलहाल 7.1 फीसदी सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इसके अलावा इसमें निवेश पर आपको टैक्स बैनिफिट भी मिलता है। आज हम आपको पीपीएफ स्कीम के बारे में बता रहे हैं ताकि आप भी इसमें निवेश करके ज्यादा फायदा कमा सकें।

5 साल का रहता है लॉक इन पीरियड

हालांकि पीपीएफ अकाउंट खोलने वाले साल के बाद 5 साल तक इस खाते से पैसा नहीं निकाला जा सकता। ये अवधि पूरी होने के बाद फॉर्म 2 भर कर पैसा निकाला जा सकेगा। हालांकि 15 साल से पहले पैसा निकालने पर आपके फंड से 1 फीसदी की कटौती की जाएगी।

मैच्योरिटी के बाद 5-5 साल के लिए मिलेगा एक्सटेंशन

पीपीएफ अकाउंट 15 साल में मैच्योर होता है, हालांकि अवधि को परिपक्वता के एक साल के भीतर 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए मैच्योरिटी पूरा होने के एक साल पहले ही बढ़ाना होगा। यानी आप इस स्कीम में कुल 25 साल के लिए निवेश कर सकते हैं। आप 15, 20 या 25 साल बाद अपना पैसा निकाल सकते हैं। इसमें आप कितने भी सालों के लिए निवेश कर सकते हैं। पीपीएफ मैच्योरिटी और एक्सटेंशन से जुड़ी अधिक जानकारी के लिए यहां क्लिक करें

इस पर मिलता है टैक्स छूट का लाभ

पीपीएफ EEE की श्रेणी में आती है। यानी योजना में किए गए पूरे निवेश पर आपको टैक्स छूट का लाभ मिलता है। साथ ही इस योजना में निवेश से मिलने वाले ब्याज और निवेश की संपूर्ण राशि पर भी किसी तरह का टैक्स नहीं देना होता। पीपीएफ इन्वेस्टमेंट पर मिलने वाले इंटरेस्ट की दर हर तीन महीने में बदलती रहती है।

क्रिप्टो करेंसी से खरीदिए 90 ब्रांड के सामान

बिटकॉइन से पिज्जा, आइसक्रीम, कॉफी खरीदिए यूनोकॉइन के ऐप से कर सकते हैं खरीदारी

- बिटकॉइन का उपयोग सेवाओं के लिए भी किया जा सकता है
- अमेरिका जैसे देशों में बिटकॉइन से खरीदी पहले से ही शुरू है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

भारत के सबसे पुराने क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म यूनोकॉइन ने अपने ग्राहकों को बिटकॉइन से 90 ब्रांड की सामानों को खरीदने का मौका दिया है। कंपनी ने कहा कि ग्राहक बिटकॉइन से डोमिनोज पिज्जा, बास्किन रॉबिन आइसक्रीम, कैफे कॉफी डे से खरीदी कर सकते हैं। विभिन्न ब्रांड्स के अलावा अन्य सामान या सेवाओं के लिए भी बिटकॉइन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

बंगलुरू के स्टार्टअप की पहल

बंगलुरु के स्टार्टअप ने कहा कि यूनोकॉइन का रजिस्टर्ड ग्राहक सामानों को खरीदने के लिए 100 रुपए और 5,000 रुपए के मूल्य के बिटकॉइन का उपयोग कर सकता है। यूनोकॉइन के सीईओ सात्विक विश्वनाथ ने एक बयान में कहा कि बिटकॉइन को बार्टर असेट्स के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से दुनिया भर में लाखों ग्राहक कारोबार कर रहे हैं। हम भारतीय लोगों को क्रिप्टो करेंसी के ज्यादा उपयोग के बारे में जागरूक करना चाहते हैं। बॉर्टर असेट्स मतलब कि आपके पास अगर बिट कॉइन है तो उसका उपयोग कर सकते हैं या रुपए से बिटकॉइन खरीद कर उससे सामान खरीद सकते हैं।

अमेरिका सहित कई देशों में पहले से है व्यवस्था

अमेरिका जैसे देशों में पेमेंट के तरीके के रूप में बिटकॉइन को स्वीकार करने वाले हजारों फिजिकल आउटलेट और ई-कॉमर्स पोर्टल हैं। हालांकि हमारे देश में अभी तक ऐसा कोई एक भी आउटलेट नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी पेशकश इस लोकप्रिय सवाल का जवाब देती है कि कोई भारत में बिटकॉइन कहां खर्च कर सकता है।

यूनोकॉइन अकाउंट पर लॉग इन कर सकते हैं

आपको अपने यूनोकॉइन अकाउंट पर लॉग इन करना होगा। इसके बाद बिटकॉइन के पेज पर जाना होगा। इस पेज पर आपको शॉप पर क्लिक करना होगा। अगर आप यूनोकॉइन के ऐप का उपयोग कर रहे हैं तो आपको डैशबोर्ड पर ही शॉप की बटन दिखेगी और कई सारे सेक्शन दिखेंगे।

ट्रैवल, कपड़ों के लिए भी बिटकॉइन का उपयोग कर सकते हैं

यह ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ग्राहकों को ट्रैवेल, लाइफ स्टाइल, कपड़ों, होटल और रेस्टोरेंट सेक्टर के अलग-अलग ब्रांड मुहैया कराता है। यहां पर ग्राहक बिटकॉइन का उपयोग कर खरीदी कर सकते हैं। अगर आप बिटकॉइन से वाउचर खरीदना चाहते हैं तो आपको ये काम करना होगा।

90 से ज्यादा ब्रांड को चुन सकते हैं

आप इसमें 90 से ज्यादा ब्रांड को चुन सकते हैं। इसमें डोमिनॉज पिज्जा, कैफे कॉफी डे और बॉस्किन एंड रॉबिन्स आइसक्रीम, हिमालया और प्रेस्टिज जैसे ब्रांड को चुन सकते हैं। ब्रांड को चुनने के बाद आपको ढेर सारे रुपए के डिनॉमिनेशन यानी कितने रूपए का वाउचर खरीदना है, वो दिखेगा। जैसे ही आप पैसे का पेमेंट करेंगे आपको वाउचर का कोड मिल जाएगा। यह ई-वाउचर यह ई - वाउचर का कोड आपको पिज्जा या जो भी सामान खरीदेंगे, उस दुकानदार को देना होगा।

निवेश में तेजी लाए उद्योग जगत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय उद्योग जगत का आह्वान किया है कि वह पूरा जुनून दिखाए और अर्थव्यवस्था को महामारी की चोट से उबारने में सरकार की मदद करने के लिए नया निवेश करे। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की सालाना बैठक को आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, %भारतीय उद्योग को बड़ी ताकत के साथ आगे आना चाहिए क्योंकि आज जोखिम लेने की क्षमता दिखाने और कारोबार के विस्तार के लिए फैसले लेने का वक्त है। मैं आप सभी से चुनौतियों का डटकर सामना करने और सरकार की मदद करने का न्योता देती हूं। शेयर बाजार आपको रास्ता दिखा रहा है। उस पर बढ़िए। कोविड-19 के कारण मार्च 2020 में बिल्कुल लुढ़क गए बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी वहां से दोगुने से भी ज्यादा चढ़ चुके हैं। वैश्विक स्तर पर बेहतर तरलता के कारण कंपनियां रिकॉर्ड संख्या में शेयर बेच रही हैं और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ला रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय अब केवल बैंक जमा पर ही भरोसा नहीं करते हैं बल्कि शेयर बाजार में जा रहे हैं और अच्छी तथा पारदर्शी कंपनियों में निवेश भी कर रहे हैं। निवेश के रुझान का हवाला देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि महामारी के बाद से हर महीने तीन लाख डीमैट अकाउंट खोले जा रहे हैं, जबकि इससे पहले एक लाख डीमैट अकाउंट खोले जा रहे थे। सीतारमण ने अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की भी सराहना की और कहा कि केंद्रीय बैंक और सरकार का संबंध साझेदार की तरह है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने भी इस गति को बरकरार रखा है। राजकोषीय पहलू का ध्यान वित्त मंत्रालय रख रहा है। मंत्रालय और केंद्रीय बैंक दोनों से वृद्धि को बढ़ावा दिया जाएगा। वृद्धि बनाम मुद्रास्फीति पर उन्होंने कहा कि यह चर्चा का विषय नहीं है। मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

इकोनॉमी में सुधार के संकेत

खुदरा महंगाई जुलाई में 5.59 फीसदी रही, यह बीते तीन महीने में सबसे कम

औद्योगिक उत्पादन भी 13.6 फीसदी बढ़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

खुदरा महंगाई के जुलाई के आंकड़े आ गए हैं। पिछले महीने महंगाई दर 5.59 फीसदी रही। यह पिछले तीन महीने का इसका सबसे निचला स्तर है। इस तरह यह दोबारा रिजर्व बैंक के कंफर्ट जोन में आ गई है। ऋछ ने इसके लिए 4 फीसदी से 2 फीसदी नीचे और इतने ही ऊपर का दायरा तय किया है। इससे पहले यह लगातार दो महीने 6 फीसदी से ऊपर रही थी।

महंगाई में कमी सालाना और मासिक, दोनों आधार पर आई:- पिछले महीने खुदरा महंगाई में सालाना और मासिक, दोनों आधार पर कमी आई है। महीने भर पहले यानी जून में खुदरा महंगाई 6.26 फीसदी रही थी। इस हिसाब से जुलाई में महंगाई 0.74 फीसदी कम रही है। अगर साल भर पहले की बात करें, तो जुलाई 2020 में खुदरा महंगाई 6.73 फीसदी रही थी। इसी साल मई में महंगाई दर 6 महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर थी।

खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से घटी महंगाई

रॉयटर्स के सर्वे में शामिल 48 अर्थशास्त्रियों ने जुलाई में महंगाई दर घटकर 5.78 फीसदी पर रहने का अनुमान दिया था। गौरतलब है कि महंगाई में कमी खाने-पीने के सामान सस्ता होने से आई है। इसकी वजह कोविड के चलते सप्लाई चेन में आई रुकावट दूर होना है। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के डेटा के मुताबिक, फूड आइटम्स की महंगाई दर पिछले महीने घटकर 3.96 फीसदी पर आ गई। जून में यह आंकड़ा 5.15 फीसदी के लेवल पर था।

जुलाई में यूपीआई से रिकॉर्डतोड़ आईपीओ बोलियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) के लिए आवेदन करने यानी बोलियां लगाने में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) पसंदीदा जरिया बनता जा रहा है। जुलाई में शेयर बाजार में धांसू आईपीओ आए और उनके लिए यूपीआई के जरिये रिकॉर्डतोड़ बोलियां भी लगीं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के आंकड़े बताते हैं कि जुलाई में आईपीओ में निवेश के लिए 76.6 लाख निर्देश आए। जून की तुलना में आंकड़ा 4.6 गुना अधिक रहा क्योंकि तब केवल 19.4 लाख निर्देश आए थे। जुलाई में आईपीओ की बारिश रही, जब जोमैटो जैसी कंपनी ने बाजार में दस्तक दी थी। कंपनी के आईपीओ में रकम लगाने के लिए खुदरा निवेशकों से 32 लाख आवेदन आए, जिनमें ज्यादातर यूपीआई के रास्ते आए थे। जोमैटो के अलावा जीआर इन्फ्राप्रोजेक्ट्स, क्लीन साइंस और तत्व चिंतन के लिए भी बड़ी संख्या में आवेदन आए थे। यह अलग बात है कि यूपीआई के माध्यम से पहुंचे 76.6 लाख आवेदनों में केवल 5,32,943 या 6.94 प्रतिशत आवेदन ही स्वीकार किए गए। जैसे ही आईपीओ के लिए आवेदन किया जाता है वैसे ही ग्राहक के खाते में तय रकम शेयरों के लिए अलग रख दी जाती है।

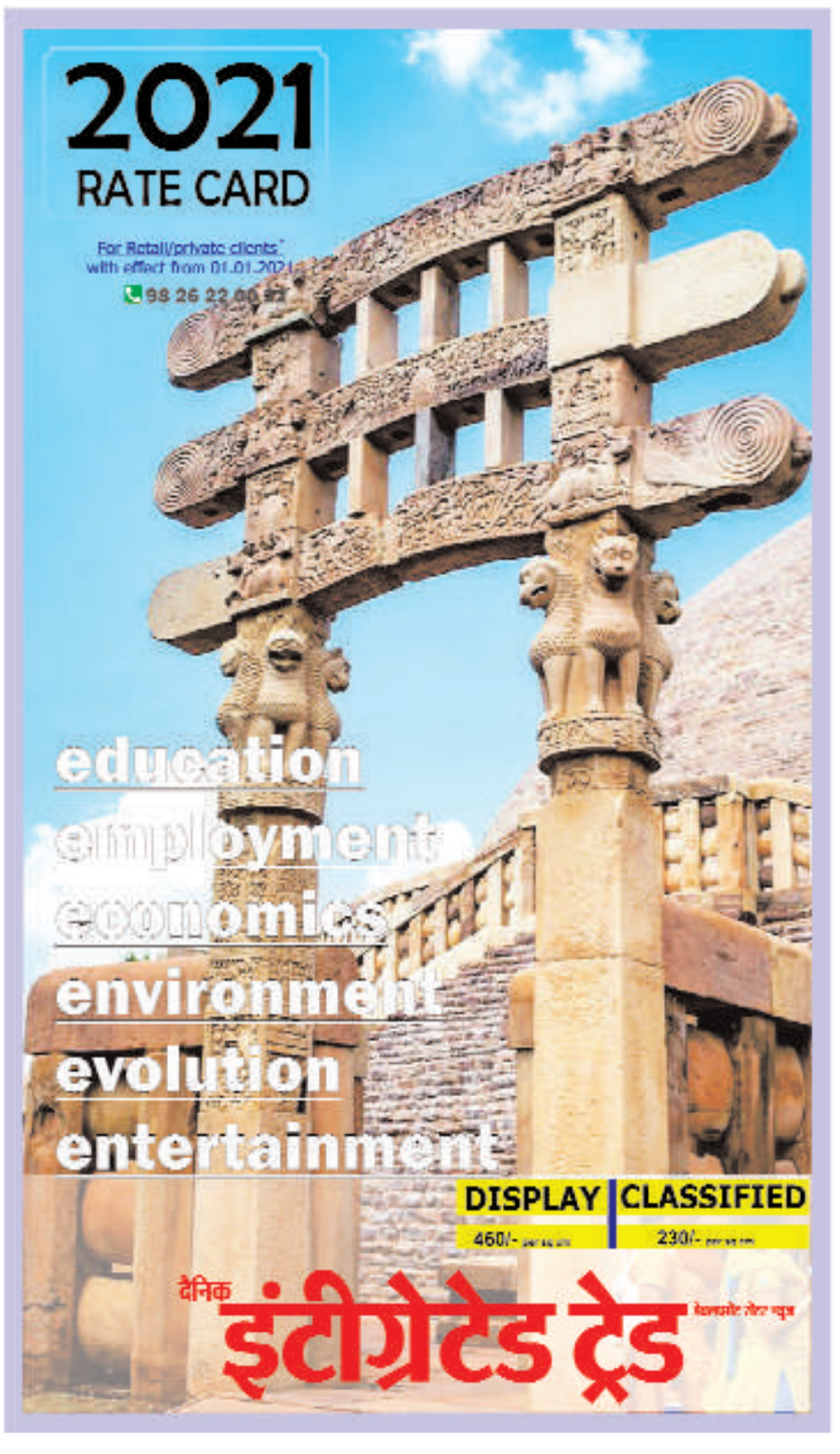

मीशो का ऐप डाउनलोड में सबसे ऊपर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ग्राहकों से ऑनलाइन ऑर्डर लेकर उनके पसंदीदा सामान पहुंचाने वाली ई-कॉमर्स कंपनी मीशो का ऐप किसी भी श्रेणी सर्वाधिक डाउनलोड होने वाला ऐप बन गया है। गूगल प्ले पर मोबाइल ऐप्लिकेशनों पर नजर रखने वाली सेंसर टावर के आंकड़ों के अनुसार मीशो ने डाउनलोड के मामले में इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, गूगल, एमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। मई के दूसरे सप्ताह में सर्वाधिक डाउनलोड होने वाले ऐप की श्रेणी में यह 36वें पायदान पर था मगर जुलाई में यह शीर्ष स्थान पर पहुंच गया और लगभग दो हफ्तों से यहां जमा हुआ है। मीशो के अनुसार उसका ऐप 10 लाख से अधिक बार डाउनलोड हो चुका है और इस मोर्चे पर इसने एक वर्ष में दस गुनी छलांग लगाई है। 11 अगस्त को जारी सेंसर टावर के आंकड़ों के आधार पर शॉपिंग ऐप श्रेणी में भी यह पहले पायदान पर पहुंच गया है। इसने फ्लिपकार्ट (2 नंबर पर), एमेजॉन (चौथे नंबर पर) और जियो मार्ट (9वें नंबर पर) जैसे लोकप्रिय ऐप को भी पीछे छोड़ दिया है। मीशो के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी विदित आत्रे मीशो की बढ़ती लोकप्रियता के दो कारण बताते हैं। आत्रे कहते हैं, %हम देश के छोटे शहरों एवं कस्बों में पहुंच रहे हैं। हम 6,000 से अधिक जगहों में अपनी पहुंच दर्ज करा चुके हैं। इस समय शीर्ष छह शहरों (महानगर शामिल नहीं) से हम 85 प्रतिशत तक कारोबार हासिल कर रहे हैं।% आत्रे ने कहा कि दूसरा कारण यह है कि महिलाओं के लिए फैशन एवं लाइफ स्टाइल से लेकर बच्चों के परिधान, कपड़ों और खेल सामग्री तक कंपनी अपना दायरा बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, अब किराना खंड में भी हम दस्तक दे रहे हैं, इसलिए मीशो पर लेनदेन बढ़ता ही जा रहा है।

टीकाकरण का नया इतिहास

सात अगस्त 2021 को भारत ने कोरोना को परास्त करने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 50 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार कर लिया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज गति से चलने वाला टीकाकरण कार्यक्रम है। तमाम अवरोधों के बावजूद यह उपलब्धि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति, कोरोना वॉरियर्स के लगन और वैज्ञानिकों व उद्यमियों के साहसिक प्रयास का परिचायक है। आज पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि भारत ने इतने कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल कैसे की?

यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का नतीजा था कि देश में केवल नौ महीने में एक नहीं, बल्कि दो-दो मेड इन इंडिया कोविड वैक्सीन बनकर तैयार हुई और वैज्ञानिक तरीके से इसका उपयोग शुरू हुआ। इतने विशाल देश में इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। 16 जनवरी, 2021 को प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत की थी। देश को टीकाकरण में पहले 10 करोड़ का आंकड़ा छूने में 85 दिन लगे थे, लेकिन इसके बाद इसमें तेजी आती गई। अनिवार्य लाइसेंसिंग की प्रक्रिया आसान की गई। कोविशील्ड और कोवैक्सीन के साथ-साथ स्पूतनिक का भी देश में उत्पादन शुरू हुआ। इसी 7 अगस्त को जॉनसन ऐंड जॉनसन की कोविड वैक्सीन को भी मंजूरी दी गई। प्रधानमंत्री लगातार निगरानी करते रहे और इसका परिणाम हुआ कि 10 करोड़ से 20 करोड़ का आंकड़ा पार करने में भारत को महज 45 दिन लगे। इसी तरह 20 से 30 करोड़ तक पहुंचने में सिर्फ 29 दिन, 30 से 40 करोड़ तक पहुंचने में 24 दिन और 40 करोड़ से 50 करोड़ वैक्सीन डोज में सिर्फ 20 दिन लगे। यह आंकड़ा निस्संदेह मील का पत्थर है, लेकिन हम इस गति को बनाए रखेंगे और इस वर्ष के अंत तक हरेक देशवासी को वैक्सीनेट करने में सफल होंगे।

इतनी बड़ी आबादी को मुफ्त वैक्सीन मुहैया कराना भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस साल के अंत तक हमारे पास लगभग 136 करोड़ वैक्सीन डोज उपलब्ध होंगे। अगस्त में लगभग 25.65 करोड़, सितंबर में 26.15 करोड़, अक्तूबर में कुल 28.25 करोड़, नवंबर में 28.25 करोड़ और दिसंबर में 28.5 करोड़ खुराक का उत्पादन होने वाला है। अन्य वैक्सीन को मान्यता देने की प्रक्रिया भी सरल बनाई गई है।

एक ओर, प्रधानमंत्री देश के 135 करोड़ लोगों की रक्षा के लिए दिन-रात काम कर रहे थे, टीकाकरण कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से लागू कर रहे थे, वहीं विपक्ष नकारात्मकता फैलाने में लगा था और दुष्प्रचार के जरिए जनता को गुमराह कर रहा था। कभी वैक्सीन की गुणवत्ता पर सवाल उठाया गया, तो कभी इसके साइड इफेक्ट को लेकर दुष्प्रचार किया गया। देशवासियों को गिनी पिग्स, लैब रैट्स और न जाने क्या-क्या कहा गया?

संसद के मौजूदा मानसून सत्र में जब प्रधानमंत्री ने कोविड और वैक्सीनेशन पर सर्वदलीय बैठक बुलाई, तब कांग्रेस सहित कई विपक्षी पार्टी के नेता इस बैठक में आए ही नहीं। इससे पहले भी जब-जब वैक्सीन को लेकर बैठक बुलाई गई, तो कभी छत्तीसगढ़ और बंगाल की मुख्यमंत्री बैठक में शामिल नहीं होते, तो कभी दिल्ली के मुख्यमंत्री रणनीतिक बैठक को सार्वजनिक कर देते हैं। कभी झारखंड के मुख्यमंत्री बैठक को लेकर बयान देते हैं, तो कभी पंजाब और राजस्थान की कांग्रेसी सरकारों का अनर्गल प्रलाप होने लगता है। यही अपने आप में कहने के लिए काफी है कि विपक्ष ने किस तरह भारत के टीकाकरण कार्यक्रम को पटरी से उतारने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने देश के कोरोना वॉरियर्स की लगातार हौसला अफजाई की। उन्हीं की प्रेरणा से भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक प्रशिक्षण अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान से कोविड से लड़ रही हमारी हेल्थ सेक्टर की फ्रंटलाइन फोर्स को नई ऊर्जा भी मिलेगी और 'मेरा बूथ-कोरोना मुक्त' अभियान भी सफल होगा। अब तक इस अभियान के तहत लगभग डेढ़ लाख स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

कोरोना वायरस महामारी के दौरान हमारे डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने मानवता की जो सेवा की है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने अपनी जान की बाजी लगा दी। ऐसी कई कहानियां हैं, जब हमारे कोरोना वॉरियर्स ने अपनी जान की परवाह न करते हुए भी कोरोना पीड़ित लोगों की सेवा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। कई महिला डॉक्टरों व नर्सों ने मानवता की सेवा के लिए अपनी ममता की कोख को भी दांव पर लगा दिया। कई तो महीनों अपने परिवार से नहीं मिल पाए। उनके लिए मरीजों की बेहतरी ही लक्ष्य बन गया। कोरोना से मुक्त होने के बाद जब मरीजों के चेहरे पर मुस्कान खिलती, तो उनमें उन्हें आत्मसंतोष मिलता था।

संपादकीय

बुनियादी संरचना का खौफ

- भरत झुनझुनवाला

मात्र बुनियादी संरचना में निवेश करना पर्याप्त नहीं होता है जिस प्रकार केवल दवा देना से रोगी के उपचार के लिए पर्याप्त नहीं होता है। सही संरचना बनानी होगी और सही दवा देनी होगी। इसलिए सरकार को चाहिए कि बुनियादी संरचना के खौफ से बचे। उच्च वर्गीय बुनियादी संरचना में निवेश करने से देश की आर्थिक विकास दर लगातार गिर रही है। बुनियादी संरचना में निवेश की दिशा में परिवर्तन करना होगा। मेरे समेत तमाम अर्थशास्त्रियों का मानना रहा है कि देश के आर्थिक विकास के लिए हमें बुनियादी संरचना को सही करना होगा जैसे हाईवे, विद्युत, इंटरनेट इत्यादि को। सड़क सही नहीं होती है तो व्यापार नहीं पनपता है। अध्ययनों में पाया गया है कि ग्राम विकास के लिए सबसे अधिक प्रभावी निवेश पक्की सड़क में होता है। सड़क उपलब्ध हो जाने से गांव के लोग अपने माल को आसानी से शहर तक ले जाकर बेच सकते हैं और गांव का विकास होने लगता है। वर्तमान एनडीए सरकार ने बुनियादी संरचना में निवेश में भारी प्रगति की है विशेषकर हाईवे और जलमार्ग में। सरकार के पूंजी निवेश में बुनियादी संरचना प्रमुख हिस्सा होता है। पिछले वर्ष 2020-21 में केंद्र सरकार ने 4.39 लाख करोड़ रुपए का पूंजी निवेश किया था जो वर्तमान वर्ष 2021-22 में 5.54 लाख करोड़ होने का अनुमान है। इसमें 29 प्रतिशत की भारी वृद्धि की गई है। फिर प्रश्न उठता है कि बुनियादी संरचना में इतने निवेश के बावजूद एनडीए सरकार के ही पिछले 6 वर्षों में हमारी आर्थिक विकास दर लगातार गिर क्यों रही है? इसका कारण संभवतः यह है कि हम गलत बुनियादी संरचना में निवेश कर रहे हैं जैसे मरीज को दवा देना जरूरी होता है लेकिन गलत दवा देने से नुकसान हो जाता है। यह बात मैं आपके सामने कुछ उदाहरणों से रखना चाहता हूं। पहला उदाहरण शहर में फुट ओवर ब्रिज का लें। चौराहे पर पैदल यात्रियों के लिए फुट ओवर ब्रिज बना दिया जाता है। इससे आम आदमी को सड़क पार करने में समय अधिक लगता है। ऊपर चढ़ने और उतरने में उसकी ऊर्जा वय होती है जबकि नीचे कार के सरपट भागने और लाल बत्ती के हटाए जाने से उच्च वर्ग को आसानी होती है। वह अपने गंतव्य स्थान पर शीघ्र पहुंच सकते हैं। हां, आम आदमी के जीवन की रक्षा होती है और उच्च वर्ग को दुर्घटना से बचने में मदद भी मिलती है। लेकिन अंत में आम आदमी पर फुट ओवर ब्रिज का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसका उपाय यह है कि फुट ओवर ब्रिज के साथ स्वचालित एस्केलेटर लगाया जाए जिससे कि आम आदमी के समय की बर्बादी न हो और एस्केलेटर चलाने का खर्च नीचे दौड़ने वाली कार से वसूल किया जाए। दूसरा उदाहरण हाईवे का लें। हाईवे पर गाड़ी बिना व्यवधान के दौड़ सके इसलिए दोनों तरफ तार लगा दिए जाते हैं। हाईवे के एक तरफ रहने वाले को हाईवे के दूसरी तरफ अपनी जमीन तक पहुंचने के लिए अब 5 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है क्योंकि ट्रैक्टर को हाईवे पार कराना अब संभव नहीं रह गया है। इसलिए हाईवे से किसान की लागत बढ़ जाती है। इसके विपरीत हाईवे पर चलने वाले ट्रक को सुविधा होती है। ट्रक पर ढोए जाने वाले माल का ढुलाई खर्च कम हो जाता है। लेकिन ट्रक पर ढुलाई किये जाने वाले माल की खपत मेरे अनुमान से 80 प्रतिशत उच्च वर्ग द्वारा ही की जाती है। साथ-साथ हाईवे बनाने में जो सीमेंट, स्टील और मशीन का उपयोग किया जाता है वह भी बड़ी कंपनियां ही सप्लाई करती हैं। हाईवे का अंतिम परिणाम आम आदमी पर नकारात्मक पड़ता है। इतना अवश्य है कि उसके द्वारा भी बाजार से खरीदी जाने वाली वस्तुओं के दाम में गिरावट आती है। लेकिन बाजार से आम आदमी माल कम खरीदता है और उच्च वर्ग ज्यादा। इसलिए उच्च वर्ग को विशेष लाभ होता है। इसका उपाय यह है कि हाईवे बनाने के साथ-साथ ग्रामीण सड़कों पर भी भारी निवेश किया जाए जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं कस्बों में आम आदमी के लिए भी कार्य करना लाभप्रद हो जाए। हाईवे बनाने से उसका जो उसे नुकसान होता है उसकी भरपाई कस्बे की अच्छी सड़क से हो जाए।

जिंदा जमीर की जरूरत

सरकार की यह अतिआक्रामकता और अतिरक्षात्मक मुद्रा बहुत कुछ बयां कर रही है। वैसे सरकार से ये सवाल किया जाना चाहिए कि विपक्ष के माफी मांगने से क्या उन सवालों के जवाब भी देश को मिल जाएंगे, जिन्हें विपक्ष सदन में उठाना चाहता था। इससे पहले मंगलवार को सदन में हुए हंगामे पर राज्यसभा सभापति एम वैंकेया नायडू ने रूंधे गले से अपना दुख प्रकट किया था कि वे रात भर सो नहीं सके, क्योंकि लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर की पवित्रता भंग की गई।

संसद का मानसून सत्र हंगामेदार होगा, ये अनुमान तो पहले से था। लेकिन देश इस बात का अनुमान नहीं लगा पाया कि सदन में मुद्दों से बचकर भागने वाली सरकार सदन की मर्यादा भी बचा नहीं पाएगी। संसद के दोनों सदनों में अक्सर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच मतभेदों के कारण हंगामे होते रहे हैं। कई बार कागज फाड़ने, और अध्यक्ष की आसंदी तक आकर सदस्यों की नारेबाजी के दृश्य भी देश देख चुका है। सदन के भीतर नोट लहराने की शर्मनाक घटना भी हो चुकी है। मगर बुधवार को जिस तरह सांसदों को रोकने के लिए मार्शल बुलाए गए, और महिला सांसदों के साथ धक्का-मुक्की की खबरें हैं, उससे देश में लोकतंत्र का घोर अपमान हुआ है। सरकार की कोई सफाई, कोई दलील, इस अपमान को कम नहीं कर सकती। ये देखकर और दुख हो रहा है कि मोदी सरकार इस अत्यंत अशोभनीय घटना में भी अपने लिए राजनैतिक लाभ तलाशने की कोशिश कर रही है।

सरकार के सूचनातंत्र (निजी और सरकारी चैनल) भले इस बात को न दिखाएं कि पूरे मानसून सत्र के दौरान सरकार ने पेगासस जासूसी कांड, कृषि कानून और महंगाई के मुद्दे पर चर्चा नहीं कराई और सदन में रोजाना हुए हंगामों का सारा ठीकरा विपक्ष पर फोड़ दें। लेकिन देश अभी अंधेपन और बहरेपन का इतना शिकार भी नहीं हुआ है कि उसे कुछ दिखाई-सुनाई न दे। जनता ने देखा है कि किस तरह पांच-छह मिनटों का वक्त लेकर सरकार ने 20 विधेयक पारित करा दिए और जब विपक्ष ने सरकार से जनता से जुड़े मुद्दों पर जवाब चाहा, तो सरकार ने किनारा कर लिया। इसके बाद विपक्ष के पास हंगामा करने के अलावा कोई चारा ही नहीं बचा था। लेकिन सिर्फ हंगामा करना ही विपक्ष का मकसद नहीं था, सूरत बदलने का भी उसका इरादा है। इसलिए जिन मुद्दों पर सदन में चर्चा नहीं हो पाई, उन्हें सड़क पर लाया गया। विरोध प्रदर्शन कर सरकार से जवाब मांगे गए। लेकिन मोदी सरकार किस कदर मगरूर है, और लोकतंत्र में उसकी कितनी आस्था बची है, ये पर्दा अब उठ चुका है।

बुधवार को राज्यसभा में जब जनरल इंश्योरेंस बिजनेस (राष्ट्रीयकरण) संशोधन विधेयक, 2021 पास किया जा रहा था। उस दौरान विपक्षी दलों के सांसद नारेबाजी कर रहे थे। कुछ महिला सांसदों का आरोप है कि उनके साथ पुरुष मार्शलों ने बदसलूकी की। इस घटना पर बजाय खेद व्यक्त करने के सरकार ने अपने सात मंत्रियों को अपना पक्ष रखने के लिए सामने कर दिया। पूरे मानसून सत्र के दौरान जो सरकार जवाबदेही से भागती रही, उसके सात-सात मंत्री एक साथ प्रेस कांफ्रेंस कर विपक्ष को कोस रहे हैं, उसे लोकतंत्र का पाठ पढ़ा रहे हैं। गुरुवार को अनुराग ठाकुर, प्रहलाद जोशी, मुख्तार अब्बास नकवी, पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल, भूपेंद्र यादव और वी. मुरलीधरन इन सातों मंत्रियों ने प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें संसद में हुए हंगामे के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। इन मंत्रियों का कहना है कि विपक्षी सांसदों में अगर थोड़ी भी समझ है तो उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

सरकार की यह अतिआक्रामकता और अतिरक्षात्मक मुद्रा बहुत कुछ बयां कर रही है। वैसे सरकार से ये सवाल किया जाना चाहिए कि विपक्ष के माफी मांगने से क्या उन सवालों के जवाब भी देश को मिल जाएंगे, जिन्हें विपक्ष सदन में उठाना चाहता था। इससे पहले मंगलवार को सदन में हुए हंगामे पर राज्यसभा सभापति एम वैंकेया नायडू ने रूंधे गले से अपना दुख प्रकट किया था कि वे रात भर सो नहीं सके, क्योंकि लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर की पवित्रता भंग की गई। कभी प्रधानमंत्री रोते हैं, कभी उपराष्ट्रपति रोते हैं, लेकिन लोकतंत्र की धज्जियां फिर भी उड़ती रहती हैं। मतलब साफ है कि रोना छोड़कर जिम्मेदारी पूरी करने पर ध्यान देना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के साथ-साथ जनता को भी कभी रोने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लेकिन सरकार का ध्यान जनता के आंसुओं पर जा ही नहीं रहा है। हालांकि विपक्ष अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह निभा रहा है। गुरुवार को राहुल गांधी समेत कई विपक्षी सांसदों ने विजय चौक से संसद भवन तक पैदल मार्च निकालकर राज्यसभा में घटी घटना की निंदा की। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि देश में दलितों, गरीबों, किसानों, मजदूरों में आपको धीरे-धीरे एक आवाज सुनाई देगी। ये आवाज धीरे-धीरे बढ़ती जाएगी और एक दिन तूफान बन जाएगी। राहुल गांधी की इस हुंकार में देश में बदलती राजनीति की आहट सुनाई दे रही है। बहुत से लोगों को इस बात की शिकायत थी कि राहुल गांधी जमीन पर दिखाई नहीं देते, सिर्फ ट्विटर पर सक्रिय रहते हैं। राहुल गांधी समेत कई कांग्रेसियों के ट्विटर अकांउट इस वक्त बंद हैं और उसके प्रत्यक्ष कारण जो भी हों, इसके पीछे बदले की राजनीति है, यह जाहिर है। लेकिन ट्विटर से पहले भी विपक्ष जिंदा था और लोकतंत्र को जिंदा रखने का दायित्व निभाता था। राहुल गांधी ने पिछले दिनों बार-बार सड़क पर उतर कर इस बात को साबित किया है कि सरकार को आईना दिखाने के लिए किसी सोशल मीडिया प्लेटफार्म का मोहताज होने की जरूरत नहीं है। इस काम के लिए बस जमीर का जिंदा होना ही काफी है।

धर्मनिरपेक्ष ताकतों की संयुक्त कार्रवाई समय की मांग

- डी राजा

हम अपने चारों ओर अराजकता और व्यापक संकट देखते हैं क्योंकि हम अगले साल अपनी स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहे हैं, जिसके लिए सरकार ने एक विस्तृत समिति बनाई है। ऐसी समितियों का गठन एक बहाना बना रहता है जब राज्य हमारी आजादी को दिन-ब-दिन खा रहे हैं, पेगासस की घटना सिर्फ एक ताजा उदाहरण है। वर्तमान शासन ने हमारी बहुमूल्य स्वतंत्रता और उससे जुड़े मूल्यों को कमजोर करने के लिए इतना कुछ किया है। 15 अगस्त के दिन, सात दशक से भी अधिक समय पहले, 1947 में, हमारे देश ने नियति के साथ अपने प्रयास की शुरुआत की थी। हमारे द्वारा प्राप्त राजनीतिक स्वतंत्रता हमारे देश के लोगों द्वारा दशकों के संघर्ष का परिणाम है। ब्रिटिश शासन की शोषक प्रकृति को स्वीकार करते हुए, हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने संगठित मंचों या राजनीतिक दलों के अस्तित्व में आने से बहुत पहले ही औपनिवेशिक आकाओं द्वारा शोषण का विरोध करना शुरू कर दिया था। लोगों ने कई बार अपने मूल सहयोगियों के साथ-साथ ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी। लोगों की सामूहिक स्मृति पर एक अमिट छाप छोड़ते हुए इन स्वतःस्फूर्त विद्रोहों को बेरहमी से दबा दिया गया।

इस काल के संघर्ष बहुआयामी थे। कोई एकवचन विधि नहीं थी और न ही एक सार्वभौमिक मांग थी। अगर कुछ समान था, तो वह स्वतंत्रता की चाहत थी। लेकिन इस आजादी का मतलब हमारे समाज के विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग चीजें थीं। महिलाओं के लिए यह स्वतंत्रता, स्वाभिमान और सभी प्रकार की पितृसत्तात्मक अधीनता से मुक्ति थी। दलितों और शूद्रों के लिए, स्वतंत्रता का अर्थ मनुवादी ब्राह्मणवादी आधिपत्य के हजारों वर्षों के शोषण और यातना से मुक्ति है। आदिवासी समुदायों के लिए यह वन भूमि पर दावा करने की स्वतंत्रता और क्रूर वन ठेकेदारों से स्वतंत्रता थी। विकास के नाम पर लगातार विस्थापन के भय से मुक्ति। अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के लिए, यह बहुसंख्यक सांप्रदायिकता से अधीनता के भय से मुक्ति और उनके विश्वास का अभ्यास करने का अधिकार था। स्पष्ट समझ की एक अंतर्निहित धारा थी कि औपनिवेशिक शासन मूल रूप से शोषक था, देश को लगातार सूखा रहा था और इसके सभी संसाधनों को सुखा रहा था। 20वीं सदी के शुरुआती दशकों में, जब मुक्ति का आंदोलन समुदायों को करीब ला रहा था, हमने देखा कि मोहम्मद अली जिन्ना देशद्रोह के मामले में तिलक के बचाव में खड़े थे और भगत सिंह सांप्रदायिकता, हिंदू बहुसंख्यकवाद या हिंदुत्व के खिलाफ जोरदार बहस कर रहे थे। लोगों ने देखा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर महिलाओं की मुक्ति सहित जाति आधारित शोषण से मुक्ति के लिए और जमींदारों द्वारा सामंती आर्थिक शोषण के खिलाफ अपना संघर्ष करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। डॉ. अम्बेडकर ने कोंकण और अन्य क्षेत्रों में सामंतवाद-विरोधी संघर्षों का नेतृत्व किया, जो इतने समावेशी थे कि उच्च जातियों के शोषितों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और जब संघर्षों के सफल परिणाम सामने आए तो वे लाभार्थी थे। मोहनदास करमचंद गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व में जन संघर्षों और उभरते हुए कम्युनिस्ट आंदोलन और अन्य कट्टरपंथी क्रांतिकारी संगठनों और कार्यकर्ताओं के नेतृत्व वाले उग्रवादी वर्ग संघर्षों के अलावा 75 साल पहले स्वतंत्रता में योगदान देने वाले इन सभी संघर्षों को समग्र रूप से देखा जाना चाहिए।

ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता को स्वतंत्रता सेनानियों ने न केवल ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के रूप में समझा, बल्कि उन सभी प्रकार के शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति के रूप में भी समझा जो भारत के लिए स्वदेशी सामाजिक संरचनाओं के भीतर गहरे थे। कुछ भी प्रगतिशील, कुछ भी लोकतांत्रिक, कुछ भी धर्मनिरपेक्ष और पितृसत्तात्मक मनुवादी सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ कुछ भी भीतर से लगातार प्रतिरोध था। यह प्रतिरोध समाज के रूढ़िवादी और रूढ़िवादी वर्गों से आया था, जो औपनिवेशिक भारत में नए उभरते संपन्न लोगों द्वारा शामिल हुए जमींदारों, सामंती रियासतों या रियासतों जैसे सत्ता के संगठित संस्थानों के साथ गठबंधन में थे। वे सभी जो दूर से प्रगतिशील, लोकतांत्रिक और समावेशी किसी भी आंदोलन के खिलाफ थे, उनमें एक बात समान थी- ब्रिटिश आकाओं के प्रति उनकी वफादारी। 1925 में अस्तित्व में आए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस ने इन सभी प्रतिक्रियावादी, सांप्रदायिक, मनुवादी ताकतों को बड़े पैमाने पर मजबूत किया है। आरएसएस को उस समय का सबसे बड़ा ब्रिटिश समर्थक और जनविरोधी समूह माना जा सकता है।

संविधान सभा में बहस के दौरान अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग रूपों में लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमले किए गए। भारत को हिंदू राज्य घोषित करने के लिए हिंदुत्ववादी ताकतों का लगातार दबाव था। समर्थन में आयरलैंड और अन्य देशों के उदाहरणों का लगातार हवाला दिया गया। इन सबके खिलाफ डॉक्टर अम्बेडकर चट्टान की तरह खड़े रहे। डॉ अम्बेडकर ने धर्मतंत्र को जोरदार रूप से खारिज कर दिया और चेतावनी दी कि, %यदि हिंदू राष्ट्र एक वास्तविकता बन जाता है तो यह राष्ट्र के लिए आपदा होगी।% स्वतंत्रता के बाद प्रतिक्रिया की ताकतों के खिलाफ भारतीय लोगों का संघर्ष और तेज हो गया। महात्मा गांधी की हत्या नाथूराम गोडसे ने की थी, जिनके आरएसएस और हिंदू महासभा के साथ संबंध अच्छी तरह से स्थापित थे। गांधी की हत्या धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर समेकित और संगठित हमले की शुरुआत है। डॉ अम्बेडकर जो धर्मनिरपेक्षता के कट्टर अनुयायी थे, उन्होंने हमारे संविधान को इस तरह से बनाया कि समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा हो सके। प्रस्तावना से ही शुरू होकर हमारे स्वतंत्रता संग्राम के मूल्य संविधान के सभी भागों में निहित थे और हमें स्वतंत्रता आंदोलन की भावना के विपरीत मनमानी राज्य कार्रवाई से बचाने के लिए मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत मिले और हमारे विधायिकाओं को गैर-भेदभावपूर्ण नींव के साथ कल्याणकारी मोड़ की दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए संविधान यह अनिवार्य बनाता है कि भारतीय राज्य एक रहना चाहिए धर्मनिरपेक्ष और कल्याणकारी राज्य।

पानी बरसा री

पी के फूटे आज प्यार के
पानी बरसा री
हरियाली छा गई,
हमारे सावन सरसा री

बादल छाए आसमान में,
धरती फूली री
भरी सुहागिन, आज मांग में
भूली-भूली री
बिजली चमकी भाग सरीखी,
दादुर बोले री
अंध प्रान-सी बही,
उड़े पंछी अनमोले री
छिन-छिन उठी हिलोर
मगन-मन पागल दरसा री

फिसली-सी पगडंडी,
खिसकी आँख लजीली री
इंद्रधनुष रंग-रंगी आज मैं
सहज रंगीली री
रुन-झुन बिछिया आज,
हिला डुल मेरी बेनी री
ऊँचे-ऊँचे पैंग हिंडोला
सरग-नसेनी री
और सखी, सुन मोर विजन
वन दीखे घर-सा री

फुर-फुर उड़ी फुहार
अलक दल मोती छाए री
खड़ी खेत के बीच किसानिन
कजली गाए री
झर-झर झरना झरे
आज मन-प्रान सिहाये री
कौन जनम के पुन्न कि ऐसे
औसर आए री
रात सखी सुन, गात मुदित मन
साजन परसा री

याददाश्त कमजोर होने के इन सामान्य कारणों को इग्नोर न करें

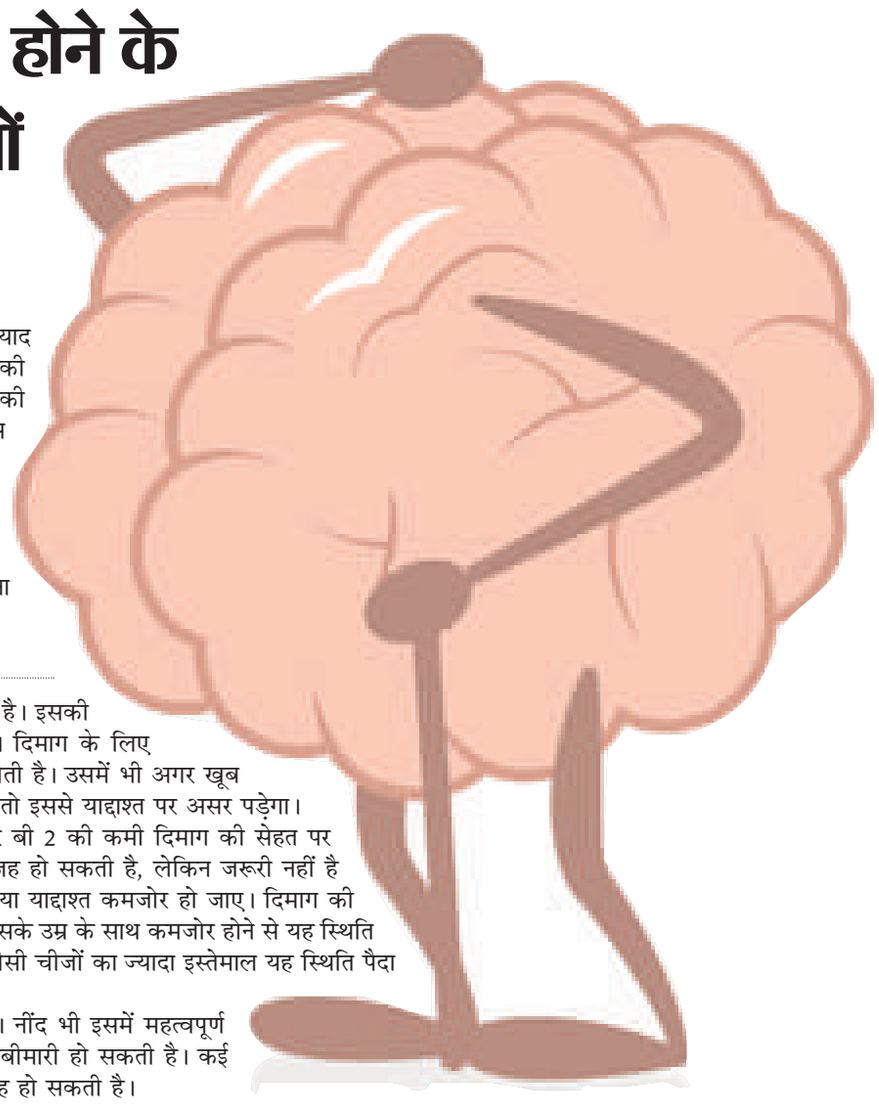

कभी-कभी चीजों को भूल जाना या कोई बात याद ना आ पाना आम बात है लेकिन जब भूलना आपकी आदत बनने लग जाए, तो समझ लें कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है। वैसे तो मेमोरी लॉस के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से एक बड़ा कारण है बढ़ती उम्र का असर होना लेकिन अगर बहुत कम उम्र में ही आप चीजें अक्सर भूलने लगे हैं, तो आपको मेमोरी लॉस का कारण जानकर इस समस्या पर काम करना शुरू करना चाहिए-

मेमोरी लॉस के कारण-

» खराब याद्दाश्त कई तरह से प्रभावित करती है। इसकी वजह स्वस्थ भोजन की कमी भी हो सकती है। दिमाग के लिए ज्यादा भारी खाना या ज्यादा शर्करा अच्छी नहीं होती है। उसमें भी अगर खूब मसालेदार भोजन या तली चीजें ज्यादा खा रहे हैं तो इससे याद्दाश्त पर असर पड़ेगा।

» रोजाना के खानपान में विटामिन बी 1 और बी 2 की कमी दिमाग की सेहत पर असर डालती है। वैसे तो उम्र भी इसकी एक वजह हो सकती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि बढ़ती उम्र के साथ भूलने की बीमारी हो ही या याद्दाश्त कमजोर हो जाए। दिमाग की कोशिकाएं ही मेमोरी के लिए जिम्मेदार होती हैं। इसके उम्र के साथ कमजोर होने से यह स्थिति पैदा होती है। ज्यादा दवाइयों का सेवन या ड्रग्स जैसी चीजों का ज्यादा इस्तेमाल यह स्थिति पैदा कर सकता है।

» स्ट्रेस भी मेमोरी लॉस का मुख्य कारण है। नींद भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नींद की कमी से भूलने की बीमारी हो सकती है। कई बार सिर पर गहरी चोट भी कम याद्दाश्त की वजह हो सकती है।

हाइपरटेंशन से बचाव के लिए आज से ही खाना शुरू कर दें ये पांच चीजें

भागती-दौड़ती जिंदगी में लोग अक्सर खाने-पीने को लेकर लापरवाही बरतते हैं, जिससे कई बीमारियों की चपेट में आने के साथ लम्बे समय तक अस्त-व्यस्त जीवनशैली रखने के कारण लोग हाइपरटेंशन के भी शिकार हो जाते हैं। अपनी जीवनशैली में स ह ी बदलाव लाते हुए डाइट में पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा लेते हैं, तो आप अपने ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर सकते हैं। आज हम आपको ऐसे सुपरफूड्स के बारे में बता रहे हैं, जिनके नियमित सेवन से आप हाइपरटेंशन की बीमारी से बच सकते हैं।

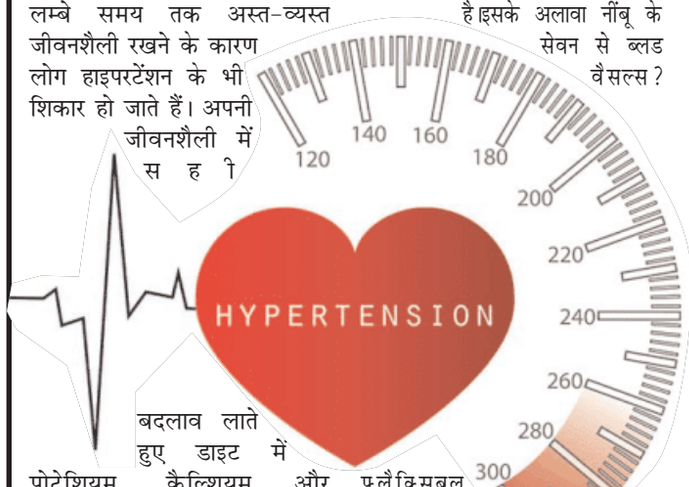

नींबू

नींबू में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है और ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है।ये बॉडी से फ्री रेडिकल्स को खत्म करता है।इसके अलावा नींबू के सेवन से ब्लड वैसल्स? फ्लैक्सिबल और सॉफ्ट होती हैं जिससे ब्लड प्रेशर कम होता है।

दही

दही में प्रोटीन, कैल्शि यम, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी 6 और विटामिन बी 12 काफी मात्रा में होते हैं, जो कि उच्च रक्तचाप की समस्यां को कम करते हैं और शरीर को कई प्रकार को लाभकारी अवयव मिलते हैं। दही में कैल्शियम अधिक मात्रा में पाया जाता है।

नारियल पानी

जो लोग हाइपरटेंशन की समस्या से परेशान हैं उन्हें बॉडी को हाइड्रेट रखना चाहिए।कोकोनट वॉटर में पोटैशियम, मैग्निशियम और विटामिन सी होता है जो कि ब्लड प्रेशर को कम करता है।

लहसुन

गार्लिक के यूं तो कई हेल्थ बेनिफिट्स हैं लेकिन कम लोग ही जानते होंगे कि लहसुन के सेवन से आसानी से ब्लड प्रेशर कम किया जा सकता है। बैड कॉलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम करता है।

अंडे

अंडे में विटामिन, मिनरल और कई अन्य पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, जो एंडोर्फिन नामक एक रसायन का उत्पाद करते है। यह रसायन हमारे दिमाग में भी पाया जाता है। जो अवसाद व दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

वेट लॉस के लिए सप्ताह में तीन दिन जरूर खाएं मूंग दाल की खिचड़ी

वेट लॉस के लिए सप्ताह में तीन दिन जरूर खाएं मूंग दाल की खिचड़ी वेट लॉस करने के लिए एक्सरसाइज के साथ डाइट का ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है, खासकर ब्रेकफास्ट में ऐसी चीजें खाने की जरूरत है जिससे कि वजन कम हो सके। आज हम आपको मूंग दाल की खिचड़ी बनाने की रेसिपी बता रहे हैं-

सामग्री

1 कप चावल
2 कप मूंग दाल
1/2 शिमला मिर्च
1 टीस्पून राई
1/4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
1/4 टीस्पून गरम मसाला
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले दाल और चावल को कई बार पानी से धोकर साफ कर ल े । मीडियम आंच पर प्रेशर कूकर में दाल, चावल, नमक और 4-6 कप पानी डालकर 4 सीटी आने तक पकाएं। इस बीच मीडियम आंच पर पैन में तेल गरम करने के लिए रख दें। कूकर का प्रेशर खत्म होने के बाद ढक्कन खोलकर खिचड़ी को बर्तन में निकाल लें। अब गरम तेल में राई डालकर तड़काएं। फिर शिमला मिर्च डालकर हल्का भून लें। गरम मसाला और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं और तड़के को खिचड़ी पर डालकर मिक्स करें। तैयार है मूंगदाल की खिचड़ी। पापड़ के साथ गरमागरम सर्व करें।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले इन बेसिक टिप्स को जरूर जान लें

आईलाइनर आंखों को हाइलाइट करके आपके मेकअप लुक को कम्पलीट बनाता है। बात करें, ड्रामेटिक लुक की, तो ब्लैक आईलाइनर की जगह कलर आईलाइनर का क्रेज देखने को मिलता है। खासकर आपको स्टाइलिश लुक देने के लिए ब्लू आईलाइनर सबसे बेस्ट ऑप्शन है लेकिन कलर आईलाइनर लगाते समय कुछ टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए, जिससे कि आपका लुक फनी न लगे।

» कलर आईलाइनर का इस्तेमाल आंखों को हाइलाइट करने के लिए किया जाता है इसलिए किसी भी कीमत पर कलर आईलाइनर लगाने के बाद रेगुलर मेकअप न करें। ऐसा करने से मेकअप ओवर लगेगा।

» आईलाइनर के कलर का चुनाव बेहद सोच समझकर करें। ब्लैक या डार्क ब्राउन के अलावा आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, एक्वा और गोल्डन कलर्स को चुनें।

» मेकअप करते हुए कलर्ड लाइनर के इस्तेमाल के दौरान फोकस आंखों पर रखें। हैवी मेकअप या बोल्ड लिप कलर को अप्लाई करने से बचें। यह आपकी आंखों से ध्यान हटाएगा।

» बिगनर्स हैं, तो आप शुरूआत में पहले डार्क कलर को ही अप्लाई करें, क्योंकि यह एकदम से आपके लुक को बदलता है। उसके बाद आप धीरे-धीरे कलर्स के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। शुरूआत में ब्राउन या ब्लू कलर को चुना जा सकता है।

» कलर आईलाइनर लगाते हुए ध्यान रखें कि आपको मस्कारा ब्लैक कलर का ही लगाना है। लाइट मस्कारा नेचुरल आईलैशेज पर लगाएं लेकिन फेक आईलैशेज लगाने से बचें।

स्किन टैनिंग हटाने में कभी फेल नहीं होती ये पांच चीजें

धूप में जाने से अगर आपकी त्वचा झुलस गई है या ग्लो चला गया है, तो इसके लिए आपको कोई महंगी क्रीम लेने की जरुरत नहीं है। आप नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करके भी स्किन टेनिंग से मुक्ति पा सकते हैं। आइए, जानते हैं कैसे पाएं टेनिंग से मुक्ति-

टमाटर

टमाटर को मैश कर लें और इस पेस्ट को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। इसें 15 मिनट तक ऐसे ही लगे रहने दें और फिर पानी से धो लें। इस तरीके को हफ्ते में दो बार दोहराएं। ये स्किन से टैनिंग को दूर कर उसे ब्राइटर और ग्लोइंग बनाएंगा।

बेसन

थोड़े से बेसन में चुटकी भर हल्दी मिला लें। एक बर्तन लें और उसमें तीन छोटे चम्मच बेसन, एक चम्मच ओलिव ऑयल और नींबू का रस मिलाएं। इसमें चुटकी भर हल्दी भी मिला लें। इन सब को अच्छे से मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें और फिर कम गर्म पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।

शहद

एक छोटे चम्मच शहद में दो चम्मच दही मिलाएं। इन्हें अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब कम गर्म पानी से चेहरा धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए ऐसा रोजाना करें।

एलोवेरा जेल

सोने से पहले एलोवेरा को स्किन पर जरूर लगाएं। इसकी पतली लेयर को चेहरे पर लाएं और अगली सुबह धोएं। बेहतर रिजल्ट के लिए ऐसा रोजाना करें।

खीरा

खीरे को अच्छे से ब्लैंड कर लें और इसके जूस को दूध में मिला लें। इसके पेस्ट को चेहरे और हाथों पर लगाएं। इसे 15 से 20 मिनट तक लगा रहने दें और धो लें। ऐसा दिन में दो बार करें और जल्द ही बेहतर रिजल्ट पाएं।

मेरे लिए दो आंखों की तरह हैं पक्ष और विपक्ष, जल्द होगा फैसला :नायडू

संसद के हंगामेबाजों पर एक्शन पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

संसद का मॉनसून सत्र का अधिकांश समय हंगामों के बीच बीता। काम बाधित तो हुए। साथ ही झड़प भी देखने को मिली। राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने आज जोर देकर कहा कि सदन में विपक्ष और ट्रेजरी बेंच यानी सत्ता पक्ष उनकी दो आंखों की तरह हैं और उनके लिए दोनो समान हैं। मॉनसून सत्र के दौरान राज्यसभा में कुछ अनियंत्रित दृश्यों के खिलाफ कार्रवाई पर विचार किए जाने पर, नायडू ने कहा कि पूरे मामले पर विचार चल रहा है। जल्द से जल्द एक उचित फैसला लिया जाएगा। विधेयकों को सदन की प्रवर समिति को भेजे जाने पर उन्होंने कहा कि जब भी सदन में ऐसे मामलों पर मतभेद बने रहते हैं, तो सदन सामूहिक रूप से निर्णय लेता है। चेयर इसको लेकर किसी भी तरीके से मजबूर नहीं कर सकता है। कृषि कानूनों और पेगासस जासूसी विवाद सतिह कई मुद्दों पर विपक्षी सांसदों के हंगामे की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही लगातार बाधित हुई। बुधवार को राज्यसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही

मॉनसून सत्र के दौरान राज्यसभा में कुछ अनियंत्रित दृश्यों के खिलाफ कार्रवाई पर विचार किए जाने पर, नायडू ने कहा कि पूरे मामले पर विचार चल रहा है। जल्द से जल्द एक उचित फैसला लिया जाएगा।

सभापति वेंकैया नायडू भावुक हो गए। मंगलवार की घटना का जिक्र करते हुए वेंकैया नायडू ने कहा कि जब कृषि कानूनों का विरोध करते हुए कुछ सांसद मेज पर बैठ गए और अन्य सदस्य सदन की मेज पर चढ़ गए, तब इस राज्यसभा की सारी पवित्रता खत्म हो गई। उन्होंने कहा था कि सदन में हंगामा करने वाले विपक्षी सांसदों को कार्रवाई का सामना करना होगा।

दिल्ली कैंट रेप केस के आरोपियों का पोटेंसी टेस्ट कराया, कपड़े भी जब्तत्न बता दें कि मंगलवार को राज्यसभा में हंगामे की हद उस वक्त पार हो गई, जब कांग्रेस के एक सांसद ने मेज पर चढ़कर आसन की ओर रूल बुक फेंक दी। इस तरह से पांच बार बाधित होने के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी थी।

दोनों पक्षों ने नहीं बरता संयम, पर विपक्ष को सवाल करने का हकः नरेश गुजराल

राज्यसभा में बुधवार को सत्र के आखिरी घंटे में हुए टकराव ने फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है। क्या इसके लिए विपक्ष का गैर जिम्मेदाराना रवैया जिम्मेदार या फिर सरकार का अड़ियल रवैया? राज्यसभा के अनुभवी सांसद नरेश गुजराल कहते हैं कि दोनों पक्षों ने संयम नहीं बरता। गुजराल कहते हैं कि सबसे पहली बात तो यह है कि विपक्ष को सदन के भीतर विरोध प्रदर्शित करने और अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन इसके लिए मेज पर चढ़ जाना या कागज उछालने या अन्य कोई अनुचित हरकत कतई स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा करने से हम सब जनप्रतिनिधियों की छवि खराब होती है। लेकिन राज्यसभा में जो कुछ हुआ, उस घटना के लिए सरकार का यह रवैया भी जिम्मेदार है कि हमारी जो मर्जी होगी, वह करेंगे, यह ससंदीय लोकतंत्र के विरुद्ध है। लोकतंत्र में विपक्ष की अपनी भूमिका है, वह सवाल करेगा। उसकी बात सुनी जानी चाहिए। नरेश गुजराल ने कहा कि पेगासस जासूसी के जिस मुद्दे को विपक्ष उठा रहा था, उस मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए थी और गृह मंत्री या पीएम को सदन में आकर बयान देना चाहिए था। यही विपक्ष की प्रमुख मांग थी। जो बयान मंत्री ने दिया, उसमें सांसदों के प्रश्नों का जवाब नहीं था कि सरकार ने पेगासस खरीदा या नहीं। दूसरे, बुधवार को जब टकराव की यह स्थिति बनी तो विपक्ष की यही मांग थी कि बीमा संबंधी विधेयक को चर्चा के बाद पारित कराया जाए। या फिर इसे सलेक्ट कमेटी को भेजा जाए, क्योंकि यह महत्वपूर्ण मुद्दा है।

न्यूज ब्रीफ

कॉन्गो में भारतीय मूल के लोगों पर फिर हुए हमले

नई दिल्ली। डेमोक्रैटिक रिपलब्कि ऑफ कॉन्गो की राजधानी किंशासा में भारतीय समुदाय पर हमला हुआ है. भीड़ ने भारतीयों की दुकानें और वाहन फूंक दिए.डेमोक्रैटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में एक भीड़ ने भारतीय मूल के लोगों के व्यापारिक प्रतिष्ठानों और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया. गुरुवार को हुई इस घटना के बारे मे पुलिस ने कहा पिछले हफ्ते भारत के बेंगलुरु में कॉन्गो के रहने वाले एक छात्र की मौत के कारण हुआ है. पिछले हफ्ते भी किंशासा में ऐसी ही घटना हुई थी जब कई भारतीयों की दुकानें लूट ली गई थीं. भीड़ बेंगलुरु में पुलिस की हिरासत में कॉन्गलीज छात्र जोएल मालू की मौत का विरोध कर रहे थे. पुलिस ने बताया कि गुरुवार को कॉन्गो में कई भारतीय दुकानों और गोदामों को लूटा गया, एक कार को आग लगा दी गई. तीन अन्य वाहनों पर पत्थर फेंके गए. यहे घटनाएं किंशासा के लिमेटे इलाके में तब हुई जब ऐसी अफवाह फैल गई कि भारत में कॉन्गलीज मूल के एक और युवक की मौत हो गई है. किन्शासा के पुलिस आयुक्त सिल्वानो कासोंगो ने बताया, 卐असभ्य लोग, विशेषकर कुछ युवा भारतीयों द्वारा चलाई जा रहीं दुकानों और गोदामों को लूट रहे हैं卐 पुलिस ने इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. उसे पत्थर फेंकने के लिए तैयार की गईं कपड़े की बनाई 40 बेलें भी मिली हैं. पुलिस ने अपने बयान यह नहीं बताया कि इस घटना में किसी को चोट लगी है या नहीं. क्या हुआ बेंगलुरु में? जोएल मालू की मौत बेंगलुरु में पुलिस हिरासत में हुई थी. उन्हें 1 अप्रैल को पुलिस ने नशीली दवाएं रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था. पुलिस के मुताबिक मालू ने सीने में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई. इस घटना के बाद बेंगलुरू में रहने वाले अफ्रीकी मूल के कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था. पुलिस ने उन लोगों पर लाठी चार्ज भी किया था. बाद में पुलिस ने पांच प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था. तस्वीरों में: एक जैसा है कूड़ा बीनने वालों का हाल 3 अगस्त को डेमोक्रैटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के दिल्ली स्थित दूतावास से कुछ अधिकारी बेंगलुरु पुहंचे थे और पुलिस से घटना की जानकारी ली थी. इसके बाद राज्य सरकार ने मालू की मौत के मामले की जांच सीआईडी की सौंप दी थी. भारत में नस्लभेद के आरोप अफ्रीका में कई बार कूटनीतिज्ञ इस बात की शिकायत कर चुके हैं कि भारत में रहने वाले अफ्रीकी मूल के लोगों के खिलाफ नस्लभेद होता है.

ट्विटर ने मेरे 1.9 करोड़ फॉलोअर्स का हक छीना, यह लोकतंत्र पर हमला हैः कांग्रेस नेता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राहुल गांधी ने ट्विटर अकाउंट ब्लॉक किए जाने पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए वीडियो जारी किया है। इसका टाइटल दिया है ट्विटर का खतरनाक खेल...राहुल ने कहा है, %मेरा ट्विटर अकाउंट बंद कर वे राजनीतिक प्रक्रिया में दखलंदाजी कर रहे हैं। एक कंपनी हमारी राजनीति को परिभाषित करने को बिजनेस बना रही है। एक राजनीतिज्ञ के तौर पर मैं इसे पसंद नहीं करता। यह देश के लोकतंत्र पर हमला है। यह सिर्फ राहुल गांधी पर हमला नहीं है। मेरे 19 से 20 मिलियन फॉलोअर हैं। आप उनसे मेरा ओपिनियन जानने का हक छीन रहे हैं। वे इस बात को गलत ठहरा रहे हैं कि ट्विटर एक न्यूट्रल प्लेटफॉर्म है। ये बहुत खतरनाक है। हमारे लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। ट्विटर भेदभाव करने वाला प्लेटफॉर्म हो गया है। राहुल की ये नाराजगी इसलिए है, क्योंकि ट्विटर ने पिछले शनिवार को राहुल गांधी का हैंडल ब्लॉक कर दिया था। ये एक्शन इसलिए लिया गया, क्योंकि राहुल ने दिल्ली की रेप पीड़ित बच्ची के मां-पिता की फोटो शेयर की थी। इसे ट्विटर ने अपने नियमों का उल्लंघन बताया था।

राहुल के ट्वीट पर बाल आयोग ने की थी शिकायतः राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग राहुल के ट्वीट को लेकर दिल्ली पुलिस और ट्विटर से शिकायत की थी। हृख्क्ष्क्र ने पीड़ित बच्ची के परिवार की फोटो पोस्ट करने पर राहुल के खिलाफ

कार्रवाई की मांग की थी। आयोग का कहना था कि यह जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस एक्ट का उल्लंघन है।

कांग्रेस के 5 दूसरे नेताओं के हैंडल भी ब्लॉक हुए थेः कांग्रेस ने बुधवार रात दावा किया कि उसके पांच और सीनियर लीडर्स के ट्विटर अकाउंट भी लॉक किए गए थे। इनमें पार्टी महासचिव और पूर्व मंत्री अजय माकन, लोकसभा में पार्टी के व्हिप मणिकम टैगोर, असम प्रभारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुष्मिता देव शामिल हैं। दावा किया है कि पार्टी का ऑफिशियल ट्विटर हैंडल भी लॉक कर दिया गया। इस मुद्दे पर कांग्रेस ने फेसबुक पर लिखा, जब हमारे नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया, हम तब नहीं डरे तो अब ट्विटर अकाउंट बंद करने से क्या खाक डरेंगे। हम कांग्रेस हैं, जनता का संदेश है, हम लड़ेंगे, लड़ते रहेंगे। अगर बलात्कार पीड़ित बच्ची को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाना अपराध है, तो यह अपराध हम सौ बार करेंगे। जय हिंद...सत्यमेव जयते।

किसान नेता अभिमन्यु कोहर ने कहा कि देशभर में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक रैलियां निकाली जाएंगी

स्वतंत्रता दिवस पर भी दिल्ली कूच करेंगे किसान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नई दिल्ली। केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ करीब 8 महीनों से दिल्ली और आसपास की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर अपने आंदोलन की रूपरेखा का ऐलान कर दिया है। किसानों ने स्वतंत्रता दिवस को %किसान-मजदूर आजादी संग्राम दिवस% के रूप में मनाने का फैसला किया है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान के बाद देशभर के किसान प्रखंड और तहसील स्तर पर इस दिन तिरंगा रैलियां निकालेंगे। हालांकि किसानों ने जोर देते हुए कहा कि वे दिल्ली में नहीं घुसेंगे।

केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों ने देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस को किसान-मजदूर आजादी संग्राम दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान के बाद देशभर के किसान प्रखंड और तहसील स्तर पर इस दिन तिरंगा रैलियां निकालेंगे। हालांकि किसानों ने जोर देते हुए कहा कि वे दिल्ली में नहीं घुसेंगे।

ऑल इंडिया किसान संघर्ष कॉर्डिनेशन कमेटी (एआईकेएससीसी) की कविता कुरुगंती ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा ने 15 अगस्त को सभी घटक संगठनों का

आह्वान किया है कि इस दिन को किसान-मजदूर आजादी संग्राम दिवस के रूप में मनाया जाए और इस दिन तिरंगा मार्च आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि इस दिन किसान और मजदूर तिरंगा मार्च में ट्रैक्टर, मोटर साइकिल, साइकिल और बैलगाड़ी आदि लेकर निकलेंगे और ब्लॉक, तहसील, जिला मुख्यालयों की ओर कूच करेंगे। वे पास के धरना स्थलों पर भी जा सकते हैं। इस दौरान वाहनों पर तिरंगे लगे होंगे। किसान नेता अभिमन्यु कोहर ने कहा कि देशभर में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक रैलियां निकाली जाएंगी। दिल्ली में भी सिंघु बॉर्डर, टीकरी बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर पर तिरंगा मार्च निकाले जाएंगे और पूरे दिन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। किसान नेता जगमोहन सिंह ने कहा कि सिंघु बॉर्डर पर किसान प्रदर्शन स्थल स्थित मुख्य मंच से लेकर करीब आठ किलोमीटर दूर केएमपी एक्सप्रेस तक मार्च निकालेंगे। किसानों ने जोर देते हुए कहा कि 15 अगस्त को निकलने वाली तिरंगा रैली शांतिपूर्ण होंगी और दिल्ली से दूरी रखी जाएंगी। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी के घटनाक्रम ने हमारे आंदोलन को बदनाम किया था, इसलिए 15 अगस्त को तिरंगा मार्च दिल्ली में नहीं आएंगे, लेकिन हमारा आंदोलन तब तक खत्म नहीं होगा जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होती।

बीते 7 दिन में दूसरी बार 40 हजार से ज्यादा केस आए

कोरोना देश मेंः 40066 केस आए, 41707 ठीक हुए और 583 ने जान गंवाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में कोरोना के केस में उतार-चढ़ाव जारी है। गुरुवार को 40,006 नए मरीज मिले। 41,707 ने संक्रमण को मात दी और 583 ने जान गंवा दी। बीते सात दिन में दूसरी बार 40 हजार से ज्यादा केस आए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस में 2,237 की गिरावट दर्ज की गई। अब 3.79 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है। यह आंकड़ा 144 दिन में सबसे कम है। इससे पहले 23 मार्च को 3.65 लाख एक्टिव केस थे।

केरल और हिमाचल प्रदेश चिंता बढ़ा रहे

देश में केरल और हिमाचल प्रदेश में संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। गुरुवार को केरल में 21,445 केस आए 20,723 मरीज ठीक हुए और 160 की मौत हो गई। यहां बीते 17 दिन में से 13 दिन 20 हजार से ज्यादा केस आए हैं। उधर, हिमाचल प्रदेश में 354 नए मरीजों की पहचान हुई। 239 ठीक हुए और 3 संक्रमितों ने जान गंवाई। यहां बीते 6 में से 5 दिन 300 से ज्यादा केस आए हैं।

8 राज्यों में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां

मध्यप्रदेश कोरोना ग्राफ

	10 अगस्त	11 अगस्त	12 अगस्त
केस आए	10	10	08
ठीक हुए	23	14	09
मौत हुई	00	00	00

3 जिले जहां 24 घंटे में कोरोना के सबसे ज्यादा केस आए

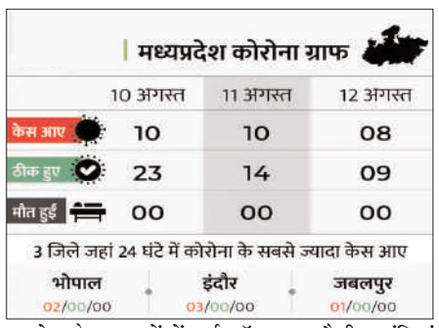

भोपाल	इंदौर	जबलपुर
02/00/00	03/00/00	01/00/00

देश के 8 राज्यों में पूर्ण लॉकडाउन जैसी पाबंदियां हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, मिजोरम, गोवा और पुडुचेरी शामिल हैं। यहां पिछले लॉकडाउन जैसे ही कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं।

23 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन

देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन है। यहां पाबंदियों के साथ छूट भी है। इनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और गुजरात शामिल हैं।

केरलः यहां गुरुवार को 21,445 लोग संक्रमित पाए गए। 20,723 लोग ठीक हुए और 160 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 36.31 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 34.36 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 18,280 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 1.76 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्रः यहां गुरुवार को 6,388 लोग संक्रमित पाए गए। 8,390 लोग ठीक हुए और 208 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 63.75 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 61.75 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 1.34 लाख लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 62,351 मरीजों का इलाज चल रहा है।

दिल्लीः दिल्ली में गुरुवार को 49 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इस दौरान 41 लोग ठीक हुए। यहां अब तक 14.36 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 14.11 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 25,068 मरीजों की मौत हो चुकी है। यहां 502 मरीजों का इलाज चल रहा है।

दिल्ली पुलिस के वेश में लाल किले में घुस सकते हैं खालिस्तानी समर्थक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस से पहले शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की हाई लेवल मीटिंग चल रही है। सूत्रों के अनुसार, मीटिंग का एजेंडा स्वतंत्रता दिवस सुरक्षा और एजेंसियों द्वारा शेयर किया गया ताजा खुफिया अलर्ट है। ताजा अलर्ट के अनुसार, असामाजिक तत्व और खालिस्तानी आंदोलन के प्रति वैचारिक झुकाव रखने वाले लोग दिल्ली पुलिस के जवानों के वेश में लाल किले की सुरक्षा में घुसपैठ करने की कोशिश कर सकते हैं। इसके साथ ही दिल्ली में धार्मिक स्थलों पर कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा करने का प्रयास किया जा सकता है। दिल्ली पुलिस के चिन्मय बिस्वाल ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी लाल किले और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था की देखरेख हमारे और अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समन्वित तरीके से की जाएगी। 15 अगस्त के मद्देनजर लाल किला और उसके आसपास, सभी बॉर्डरों पर और पूरी दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किया गए हैं। देश विरोधी और शरारती तत्वों को कोई भी मौका न मिले इसके लिए पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा व्यापक बंदोबस्त किया गया है। इस स्वतंत्रता दिवस पर किसी भी तरह की हवाई वस्तु और गुब्बारे उड़ाने की अनुमति नहीं है।

फर्जी वोटिंग रोकने के लिए बड़ी पहलः आधार नंबर को वोटर कार्ड और मतदाता सूची से जोड़ने की तैयारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्र सरकार आधार कार्ड को वोटर लिस्ट और मतदाता द्धष्ठ कार्ड से जोड़ने की तैयारी कर रही है। इससे फर्जी वोटिंग को रोकने और एक से अधिक जगहों पर किसी व्यक्ति के नाम जैसी गड़बड़ियों को रोकने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद सरकार इस पर फैसला ले सकती है। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि सरकार ऐसा करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए

केंद्र सरकार को जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के साथ आधार एक्ट में संशोधन करना होगा। साथ ही डेटा प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क की भी जरूरत होगी।

इस सिस्टम के लिए बड़े पैमाने पर होगा ट्रायलः जानकारों का कहना है कि वोटिंग लिस्ट को आधार इकोसिस्टम से डायरेक्ट नहीं जोड़ा जाएगा, बल्कि इसके वेरिफिकेशन के लिए हृक्ष्क्र सिस्टम का इस्तेमाल होगा। इससे दोनों डाटा मैच नहीं करेंगे और न ही कोई वोटर सिस्टम को टैप या इंटरसेप्ट कर पाएगा। इस सिस्टम के बड़े पैमाने पर ट्रायल किए जाएंगे और डेटा सिक्योरिटी के सभी पहलुओं को पूरा करने के बाद लिंकिंग होगी।

सरकार इस मामले पर विचार कर रहीः संसद के मानसून सेशन के दौरान कानून और न्याय मंत्रालय की ओर से बताया गया कि सरकार इस मामले पर विचार कर रही है और जल्द ही इस पर फैसला लिया जाएगा। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को सुरक्षित और सही बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिससे इस दिशा में काफी मदद मिली है।

चुनाव आयोग की लंबे वक्त से यह मांगः चुनाव आयोग लंबे वक्त से केंद्र सरकार से कानून में बदलाव की मांग कर रहा है। आयोग का कहना है कि जो भी नया व्यक्ति वोटर द्धष्ठ कार्ड के लिए आवेदन करे, उसके लिए आधार की जानकारी देना जरूरी कर दिया जाए। 2015 में चुनाव आयोग बड़ी संख्या में वोटर द्धष्ठ को आधार से लिंक कर चुका था, लेकिन कोर्ट के फैसले के बाद इसे रोक दिया गया।

चुनाव आयोग की वेबसाइट हैक करने की जांच IB करेगी

सहारनपुर। चुनाव आयोग की वेबसाइट हैक करके फर्जी वोटर ID कार्ड बनाने के मामले की जांच अब इंटेलीजेंस ब्यूरो और अन्य सुरक्षा एजेंसियों मिलकर करेंगी। एजेंसियों ने सहारनपुर की साइबर सेल से पूरे मामले की जानकारी और रिकॉर्ड मंगवाया है। चुनाव आयोग की एक टीम भी सहारनपुर पहुंच गई है। पकड़े गए आरोपी विपुल सैनी के कंप्यूटर भी खंगाले जाएंगे। अब तक हुई जांच के मुताबिक, विपुल सैनी ने मध्य प्रदेश के हरदा के रहने वाले अपने दोस्त अरमान के साथ मिलकर तीन महीने के अंदर 10 हजार से ज्यादा फर्जी वोटर द्धष्ठ कार्ड बना डाले हैं।

अरमान ही इसके लिए विपुल को पैसे देता था। उसके खाते में 60 लाख रुपए भी मिले हैं। उधर, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा है। आरोपी विपुल सैनी सहारनपुर के थाना नकुड़ क्षेत्र के मच्छराखेड़ी का रहने वाला है। पूछताछ में मालूम चला है कि दोस्त अरमान मलिक के कहने पर उसने आयोग की वेबसाइट को हैक की थी। वह 10 हजार से ज्यादा वोटर आईडी कार्ड बना चुका है। आरोपी पिछले 3 महीने से भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट में घुसपैठ कर रहा था।

न्यूज ब्रीफ

चेन्नईयिन एफसी ने युवा डिफेंडर देविंदर सिंह से करार किया

चेन्नई। दो बार की इंडियन सुपर लीग चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी ने आगामी सत्र से पहले शुक्रवार को भारतीय डिफेंडर देविंदर सिंह से एक साल का करार किया। देविंदर (25 साल) 2018-19 चरण से पहले लगी घुटने की चोट कारण इंडियन सुपर लीग के पिछले तीन चरण में नहीं खेल पाये थे। जिससे वह वापसी के लिये बेताब होंगे। क्लब के सह मालिक विटा दानी ने कहा, ''भारतीय खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा जिम्मेदारी ले रहे हैं तो हम देविंदर जैसे खिलाड़ी को शामिल कर अपने डिफेंस विभाग को मजबूत करके खुश हैं।

क्रिस केंस की सेहत पर पत्नी मेलेनिया ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर क्रिस केंस की कुछ दिनों से तबीयत खराब है। बताया गया कि उन्हें एक के बाद एक हार्ट अटैक आए थे जिसके चलते उन्हें कैनबरा के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। प्राथमिक जांच में पता चला कि उनकी तबीयत बेहद खराब है। उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया था। अब क्रिस केंस की तबीयत पर उनकी पत्नी मेलेनिया ने अपडेट दिया है। उनका कहना है कि अभी स्थिति सुधरी नहीं है। क्रिस का अभी आपरेशन होना है। उन्हें सिडनी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है।

मेलेनिया ने कहा कि क्रिस को पहले भी हार्ट की समस्या रही थी। लेकिन इस बार यह इतनी बढ़ जाएगी यह किसी ने सोचा नहीं था। बीते दिन क्रिस ने अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत की। वह होश में नहीं लग रहे थे। हम उन्हें फौरन अस्पताल लाए तो डॉक्टरों ने बताया कि दिल के दौरे के कारण ऐसा हुआ है। अब सिडनी के अस्पताल में उनका आगामी ट्रीटमेंट होगा। बता दें कि क्रिस की तबीयत बिगडऩे के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भी एक बयान जारी किया था। उनके प्रवक्ता का कहना था कि क्रिस का मामला हमारे ध्यान में है। हम उनके परिवार के साथ है। हर संभव मदद की जाएगी। बता दें कि क्रिस में न्यूजीलैंड की ओर से 62 टेस्ट में 3320 रन बनाने के अलावा 218 विकेट भी हासिल की हैं। वहीं, 215 वनडे में उनके नाम 4950 रन तो 201 विकेट दर्ज हैं।

इंटरनैशनल लैफ्ट हैंडर डे : भारत के वह गेंदबाज जिन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंटरनैशनल लैफ्ट हैंडर डे 2021 पर सोशल मीडिया पर भारत ही नहीं बल्कि इंटरनैशनल स्तर के क्रिकेटर जोकि लैफ्ट हैंडर हैं, चर्चा में रहे। आइए आपको बताते हैं कि भारत की ओर से बतौर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज किसने सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट चटकाईं।

597 : जहीर खान
448 : रविन्द्र जडेजा
301 : इरफान पठान
280 : रवि शास्त्री
273 : बिशन सिंह बेदी
233 : आशीष नेहरा
174 : कुलदीप यादव
162 : वीनू मांकड़
156 : वैंकटपति राजू
154 : मनिंदर सिंह
147 : युवराज सिंह

बाएं हाथ के गेंदबाजों द्वारा सर्वाधिक विकेट (ओवरऑल)

वसीम अकरम - 916
चामिंडा वास - 761
डैनियल विटोरी - 705
जहीर खान - 610
शाकिब अल हसन 594
मिशेल जॉनसन - 590
रंगना हेराथ - 525
ट्रेंट बोल्ट - 507
मिशेल स्टार्क - 501
रविंद्र जडेजा - 448

सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय रन (ओवरऑल)

28016 : कुमार संगकारा
22358 : ब्रायन लारा
21032 : सनथ जयसूर्या
20988 : शिवनारायण चंद्रपॉल
19548 : क्रिस गेल
18575 : सौरव गांगुली
17698 : एलन बॉर्डर
17236 : ग्रीम स्मिथ
15737 : एलिस्टेयर कुक
15461 : एडम गिलक्रिस्ट
15319 : स्टैफिन फ्लेमिंग
15066 : मैथ्यू हेडन
15031 : डेविड वार्नर

टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली बॉक्सर लवलीना बोर्गोहेन गुवाहाटी में एक सम्मान कार्यक्रम में अपने पिता टिकेन बोर्गोहेन के साथ भावुक हो जाती हैं।

रोहित का आलोचकों को जवाब : सलामी बल्लेबाज ने कहा-

मेरे पास गेंदबाज का सामना करने के लिए कोई एक्सट्रा टाइम नहीं होता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन रोहित शर्मा ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सभी का दिल जीत लिया। अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने 145 गेंदों का सामना करते हुए 11 चौके और एक छक्के की मदद से लाजवाब 83 रनों की पारी खेली। हिटमैन लॉर्ड्स के मैदान पर अपना ऐतिहासिक शतक नहीं बना सके, लेकिन उनकी इस पारी ने टीम इंडिया के ऊपर से दबाव हटाने का पूरा काम किया।

बतौर सलामी बल्लेबाज बनाए कई रिकॉर्ड्स:- मौजूदा समय में रोहित शर्मा का नाम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में लिया जाता है। रोहित इकलौते ऐसे खिलाड़ी है, जिन्होंने वनडे में एक नहीं बल्कि तीन-तीन दोहरे शतक लगाए हैं। 2019 के एकदिवसीय विश्व कप में तो रोहित ने पांच शतक लगाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया था। मगर इसके बाद भी रोहित शर्मा को लेकर कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स और फैंस का ऐसा कहना रहा है कि, वह काफी सुस्त बल्लेबाज है और उनके पास शॉट खेलने के लिए हमेशा समय रहता है।

मेरे पास बिल्कुल समय नहीं होता:- हाल ही में दिनेश कार्तिक ने स्काई स्पोर्ट्स के लिए रोहित शर्मा का इंटरव्यू लिया, जहां रोहित अपने आलोचकों की बोलती बंद करते नजर आए। रोहित ने अपने बयान में कहा, 'मैंने लोगों को यह कहते सुना है कि 'उसके पास समय है'। नहीं बॉस, मेरे पास समय नहीं है। मुझे पता है जब मैं गेंदबाज का सामना कर रहा हूं, तो मुझे तैयार रहना होगा। एक्सट्रा टाइम या उसके पास समय रहता है, जैसा कुछ नहीं है। हर एक बल्लेबाज जब वह गेंदबाज का सामना कर रहा होता है, उसके सामने चुनौतियां होती है। इसलिए आपको हमेशा अपने खेल को शीर्ष पर रखना होता है।' रोहित ने आगे कहा, 'गेंदबाज का सामना करने में कोई समय नहीं होता। हां, तकनीकी रूप से आप कह सकते हैं कि वह गेंद को देर से खेलता है, लेकिन 'उसके पास समय है, अधिक समय' जैसी कोई चीज नहीं होती। ऐसा मेरा मानना है।

सुस्त बल्लेबाजी पर भी बोले हिटमैन:- कई बार फैंस और क्रिकेट जानकारों ने रोहित शर्मा के ऊपर सुस्त बल्लेबाजी करने जैसी टिप्पणी भी की है। इस पर भी रोहित अपने आलोचकों का मुंह बंद करने में पीछे नजर नहीं आए। उन्होंने कहा, 'जब आप कोई भी खेल खेल रहे हो, तो आप सुस्त बिल्कुल नहीं हो सकते। हां, हो सकता है कि टीवी पर देखने में ऐसा लगता हो, लेकिन कोई भी खिलाड़ी ऐसे अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर सकता।' रोहित ने कहा, 'जब से मैंने भारत के लिए खेलना शुरु किया है, तब से मैं ऐसा सुन रहा हूं। जब एक गेंदबाज 145 की गति के साथ बॉल डाल रहा है और मैं उस पर पुल शॉट खेलता हूं तो मैं कैसे सुस्त बल्लेबाज हो सकता हूं। अरे वो तो आलसी बल्लेबाज है, ये बात मेरी समझ में नहीं आती।'

भारत बनाम इंग्लैंड दूसरा टेस्ट

भारत के खिलाफ एक मैदान पर सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बने जेम्स

» मुरलीधरन के रिकॉर्ड को छोड़ा पीछे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। पहले दिन भारत का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 276 रन रहा। पहले दिन के तीन में से दो विकेट दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के खाते में आए। एंडरसन ने रोहित शर्मा 83 और चेतेश्वर पुजारा 9 के विकेट चटकाए। दो विकेट लेने के साथ ही अनुभवी तेज गेंदबाज के नाम पर एक बड़ा रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया।

एंडरसन ने मुरलीधरन को पीछे छोड़ा:- दरअसल, दो विकेट लेने के साथ ही जेम्स एंडरसन भारत के खिलाफ किसी एक मैदान पर सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। एंडरसन अभी तक लॉर्ड्स के मैदान पर टीम इंडिया के खिलाफ कुल 30 विकेट हासिल कर चुके हैं। एंडरसन से पहले भारत के खिलाफ किसी एक मैदान पर सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंकाई दिग्गज मुथैया मुरलीधरन के नाम पर दर्ज था। मुरली ने कोलंबो (एसएससी) के मैदान पर 29 भारतीय खिलाड़ियों को आउट किया था। एंडरसन और मुरलीधरन के बाद तीसरे पायदान पर ऑस्ट्रेलिया के नाथन लॉयन (26 विकेट, एडिलेड ओवल) और पाकिस्तान के इमरान खान (24 विकेट, नेशनल स्टेडियम, कराची) के नाम आते हैं।

स्वीडन के माल्मो के माल्मो स्टेडियम में द वर्ल्ड प्राइड की ओपनिंग परेड में शामिल लोग।

अमेरिका में फुटबॉल लीग के दौरान 2 साल का बच्चा मैदान में कूदा, मां ने बेटे को पकड़ने के लिए लगाई दौड़

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वैसे तो आपने खेल के मैदान पर कई बार अजीब चीजें होती देखी होंगी। जरा सोचिए यदि किसी मुकाबले में कोई छोटा बच्चा मैदान के बीच में आ जाए तो कैसा लगेगा? असल में एक ऐसा ही वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर छाया हुआ है, जिसमें एक छोटा बच्चा पहले तो मैदान पर भागकर आ गया और फिर जब उसकी मां उसे लेने के लिए मैदान पर आई, तो बच्चा भी नटखट निकला और उसने अपनी मां को मैदान का पूरा चक्कर लगवा दिया।

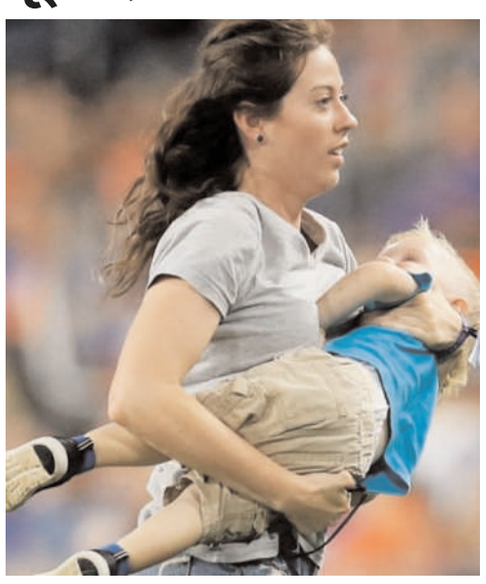

बीच मैदान में बच्चे के पीछे दौड़ी मां:- मेजर लीग सॉकर के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर एक मां और उसके 2 साल के बेटे का वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो एफसी सिनसिनाटी और ऑरलैंडो सिटी के बीच खेले जा रहे मैच का है, जिसमें आप देख सकते हैं कि 2 साल का बच्चा अचानक मैदान में दौड़कर घुस आता है। उसे पकड़ने के लिए उसकी मां भी मैदान में आ जाती है, लेकिन बच्चे ने तो ये साबित कर दिया कि उसे पकड़ना बच्चों की बात नहीं है।

जी हां, वीजियो में दिख रहा है कि मां अपने बेटे को पकड़ने की कोशिश कर रही है और वह खुद ही फिसलकर गिर जाती है और बच्चा मजे से मां को पूरे मैदान के चक्कर लगवा रहा है। ये वीडियो लोगों को काफी पसंद आ रहा है और आप भी वीडियो देखकर खुद को हंसने से रोक नहीं पाएंगे।

वीडियो के साथ तस्वीर भी हुई वायरल

वीडियो के अलावा सैम ग्रीन नाम के फोटोग्राफर ने भी मां और बेटे की बड़ी ही प्यारी सी तस्वीर शेयर की है। जिसमें मां अपने बच्चे को गोद में उठाकर मैदान से बाहर लेकर जाती दिख रही है। मां और बच्चे की ये फोटो और वीडियो दोनों ही वायरल हो गए हैं। ये कहना गलत नहीं होगा की ये वीडियो इस मां-बेटे की जोड़ी के लिए भी यादगार रहेगा।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

न्यूज ब्रीफ

टाटा पावर ने गुजरात में 100 मेगावाट की सौर परियोजना चालू की

नईद्दिल्ली। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के राघनेस्दा सोलर पार्क में 100 मेगावाट उत्पादन क्षमता वाली एक सौर परियोजना शुरू की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस परियोजना से हर साल कार्बन उत्सर्जन में 2,00,000 टन की कमी होगी। गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित राघनेस्दा सोलर पार्क देश के सबसे बड़े सौर उद्यानों में से एक है। इसमें कहा गया कि टाटा पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने गुजरात के राघनेस्दा सोलर पार्क में 100 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है।

वनवेब ने जुटाए 30 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। भारती समूह के निवेश वाली कंपनी वनवेब ने कहा है कि दक्षिण कोरिया की कंपनी हानवा सिस्टम्स ने 30 करोड़ डॉलर के निवेश से उपग्रह संचार कंपनी लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में 8.8 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है। यह निवेश नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद 2022 की पहीी छमाही में पूरा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही नवंबर 2020 के बाद वनवेब में कुल इक्विटी निवेश बढ़कर 2.7 अरब डॉलर हो जाएगा। वनवेब ने एक बयान में कहा, %फॉर्च्यून 500 सूची में शामिल दक्षिण कोरिया की वैश्विक प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण कंपनी हानवा ने भारती समूह के निवेश वाली लो अर्थ ऑर्बिट उपग्रह संचार कंपनी वनवेब में हानवा सिस्टम्स के जरिये 30 करोड़ डॉलर के इक्विटी निवेश की घोषणा की है।% निवेश पूरा होने पर वनवेब कंपनी में हानवा की हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करने के लिए बोर्ड में निदेशक की नियुक्ति करेगी। वनवेब के पहली पीढ़ी के बेड़े में 648 उपग्रह हैं जो 2022 में वैश्विक कवरेज प्रदान करेंगे। कंपनी अब तक 254 उपग्रह को कक्षा में प्रक्षेपित कर चुकी है जबकि अगला प्रक्षेपण इसी अगस्त में कजाखस्तान के बायकोनूर से होने की योजना है। वनवेब की स्थापना 2012 में दुनिया भर में अरबों लोगों को उच्च गति की वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करने के लिए एक मिशन के साथ की गई थी। भारती वनवेब का एक संस्थापक सदस्य है और कंपनी में उसकी रणनीतिक हिस्सेदारी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्क्रैपेज पॉलिसी लॉन्च की

फिटनेस टेस्ट में फेल हुई तो कल ही कबाड़ हो सकती है आपकी कार, अब उम्र की सीमा खत्म

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

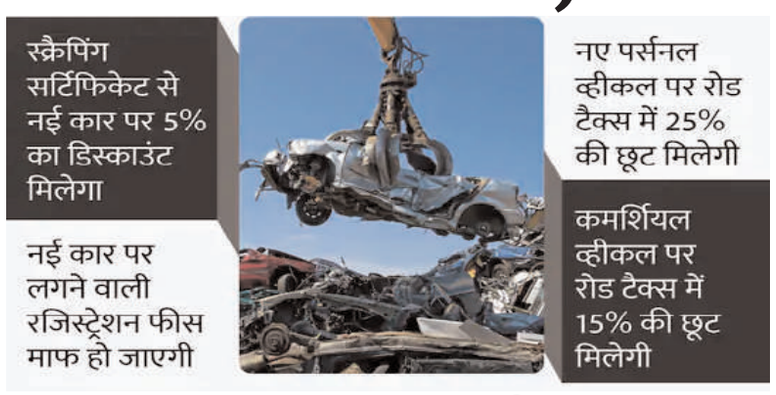

एक्सपर्ट से समझें कैसे रखें कार को फिट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुजरात में हो रही इन्वेस्टर समिट में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने समिट में नेशनल ऑटोमोबाइल स्क्रैपेज पॉलिसी (ह्वस्क्) लॉन्च की, जिसका ऐलान इस साल बजट में किया गया था। मोदी ने इस पॉलिसी के फायदे गिनाते हुए बताया कि अब गाड़ियों को उनकी उम्र देखकर नहीं, बल्कि फिटनेस टेस्ट में अनफिट होने पर स्क्रैप किया जाएगा। यानी अगर गाड़ी को 15 साल नहीं हुए हैं, लेकिन वह चलाने में अनफिट है, तब भी उसे स्क्रैप किया जा सकता है। इसमें इन्वेस्टर्स 10,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। मोदी ने कहा कि पुरानी गाड़ी को स्क्रैप कराने पर सर्टिफिकेट मिलेगा। नई गाड़ी खरीदते समय अगर यह सर्टिफिकेट दिखाएंगे तो, रजिस्ट्रेशन पर पैसा नहीं देना होगा। साथ ही, रोड टैक्स में कुछ छूट दी जाएगी। नई कार से मेंटेनेंस में बचत होगी और रोड एक्सीडेंट का खतरा टलेगा। पुरानी गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण से स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। सरकार इस पॉलिसी को क्यों लाई? इस पॉलिसी से कार के मालिक का क्या फायदा होगा? कैसे पता चलेगा कि कार स्क्रैपिंग के लायक है या नहीं?

स्क्रैपेज पॉलिसी क्या है?

इस पॉलिसी के तहत कमर्शियल गाड़ियों को 15 साल और प्राइवेट व्हीकल को 20 साल बाद कबाड़ किया जाएगा। हालांकि, नए नियम के चलते अब गाड़ी की उम्र देखकर ही स्क्रैप नहीं किया जाएगा, बल्कि फिटनेस टेस्ट में अनफिट होने पर भी स्क्रैप किया जाएगा। इस पॉलिसी की तहत कार मालिकों को कैश तो मिलेगा ही, सरकार की तरफ से नई कार खरीदने पर सब्सिडी भी मिलेगी।

कैसे पता चलेगा की कार स्क्रैप लायक है या नहीं?

नए नियमों से साफ होता है कि कार मालिक को समय-समय पर अपनी कार ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर या रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फेसिलिटी पर जाकर चेक करानी होगी। यहां पर इंजन, ट्रांसमिशन, बॉडी जैसी चीजों के आधार पर उसका फिटनेस टेस्ट किया जाएगा। टेस्ट के रिजल्ट को देखकर तय किया जाएगा कि गाड़ी को स्क्रैप करना है या नहीं। कार ओनर को जरूरी डॉक्युमेंट्स जैसे इंश्योरेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, पैन कार्ड, आधार कार्ड भी दिखाना होगा। आपकी कार स्क्रैप होने पर आपको कुछ पैसा भी मिलेगा।

स्क्रैपेज पॉलिसी में गाड़ी की फिटनेस कैसे तय की जाएगी?

कार की फिटनेस का पैमाना क्या होगा, इस बारे में यूट्यूबर ऑटो एक्सपर्ट अमित खरे (आस्क कारगुरु) ने बताया कि इस पॉलिसी को यूरोपीय देशों के हिसाब से डिजाइन किया जा रहा है। जो नियम उन देशों में चलते हैं वैसे ही नियम यहां लागू किए जा सकते हैं। इसमें गाड़ी का इंजन कितना पॉल्यूशन फैला रहा है, गाड़ी कितनी डैमेज्ड है, उसका गियरबॉक्स और ट्रांसमिशन कैसा है, इन बातों के आधार पर गाड़ी की फिटनेस चेक की जाएगी। अगर कार इस फिटनेस टेस्ट में पास नहीं होती तब उसे स्क्रैप किया जाएगा। साथ ही, पहिए अगर ज्यादा घिस गए हैं या कार का सस्पेंशन अगर ज्यादा खराब हो गया है, तो ऐसी कई चीजों के लिए कार ओनर को महीनेभर का टाइम मिल सकता है।

पेटीएम : पूर्व डायरेक्टर ने आईपीओ रोकने की मांग की 27,500 डॉलर का किया था निवेश, एक भी शेयर नहीं मिला

» पेटीएम इश्यू के जरिए 16,600 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है

» इसके इश्यू का भाव 3500 रुपए से ज्यादा हो सकता है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश के अब तक के सबसे बड़े आईपीओ की तैयारी कर रही पेटीएम पर संकट का बादल मंडरा रहा है। इस आईपीओ को इसके एक पूर्व डायरेक्टर ने रोकने की मांग की है। डायरेक्टर का आरोप है कि उसने 20 साल पहले इस कंपनी में 27,500 डॉलर का निवेश किया था, पर उसे एक भी शेयर नहीं दिया गया।

सक्सेना का दावा, वे को-फाउंडर हैं: - 71 वर्षीय अशोक कुमार सक्सेना का कहना है कि वे कंपनी के को-फाउंडर यानी सह संस्थापक हैं। उन्होंने 20 साल पहले 27,500 डॉलर का निवेश किया था। आज की तारीख में इसकी रुपए में कीमत 20.35 लाख रुपए है। इस मामले में सक्सेना ने दिल्ली पुलिस में मामला भी

दर्ज कराया है। पेटीएम ने दिल्ली पुलिस को दिए जवाब में कहा कि सक्सेना उसे परेशान कर रहे हैं। सक्सेना ने इस आरोप को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि पेटीएम जैसी हाई प्रोफाइल कंपनी को परेशान करने की उनकी हैसियत नहीं है। पेटीएम ने आईपीओ की मंजूरी के लिए जुलाई में सेबी के पास जो ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोसपेक्टस जमा कराया है, उसमें इसकी जानकारी दी है। इसे क्रिमिनल प्रोसिडिंग के कॉलम में बताया गया है। सक्सेना ने इस मामले में सेबी का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कहा है कि इस आईपीओ को रोका जाना चाहिए। अगर नहीं रोका गया तो निवेशकों का इससे नुकसान हो सकता है।

इक्जिगो ने आईपीओ के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली। ट्रैवल प्लेटफॉर्म इक्जिगो का संचालन करने वाली ल ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार, आईपीओ में 750 करोड़ रुपये के नये शेयर जारी किए जाएंगे और साथ ही मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 850 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस के एक हिस्से के रूप में, सैफ पार्टनर्स इंडिया 4 इक्जिगो में अपने 550 करोड़ रुपये के शेयर बेचेगी, माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स 200 करोड़ रुपये के शेयर बेचेगी और आलोक वाजपेयी एवं रजनीश कुमार 50-50 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे।

आईटीसी अपने उद्यमों में करेगी 2 अरब डॉलर का निवेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

विभिन्न क्षेत्रों में पैठ रखनो वाली आईटीसी विभिन्न कारोबारी श्रेणियों और वृद्धि के नए क्षेत्रों में क्षमता बढ़ाने के लिए अगले कुछ समय में 2 अरब डॉलर का निवेश करेगी। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने आज कहा, हमने मध्यम अवधि में करीब 2 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। संवाददाताओं से बात करते हुए पुरी ने कहा, यह निवेश मौजूदा श्रेणियों में बाजार की मांग पूरी करने के लिए क्षमता निर्माण करने, नई उन्नत तकनीक अपनाने और कुछ चुने हुए नए क्षेत्रों में डिजिटल पहल में होगा। लेकिन निवेश के इस आंकड़े में विलय एवं अधिग्रहण के मौकों को शामिल नहीं किया गया है। निवेश के लिए वृद्धि के नए क्षेत्रों में सुपर ऐप आईटीसी मार्स है, जिसकी घोषणा पुरी ने बुधवार को कंपनी की सालाना साधारण बैठक में की थी।

यह ऐप ग्रामीण क्षेत्रों और कृषि के लिए है। यह ऐप बेहद स्थानीय स्तर पर और व्यक्तिगत पसंद के हिसाब से काम करेगी। किसानों को व्यक्तिगत परामर्श देने में कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल किया जाएगा और ऐप के जरिये कृषि में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों और उपज के बाजारों जैसा सहायक तंत्र भी मुहैया कराया जाएगा। इससे आईटीसी की कार्यकुशलता में सुधार होगा। पुरी ने कहा, इससे हमारे खाद्य ब्रांडों को मजबूती मिलेगी क्योंकि हमारे पास बेहतर गुणवत्ता का माल और अच्छी खरीद व्यवस्था होगी।

टेस्ला को रियायत मिल सकती है

लोकल मार्केट से खरीदारी बढ़ानी होगी और इंडिया में प्रॉडक्शन का प्लान बताना होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टेस्ला ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर लगने वाला इंपोर्ट टैक्स घटाने की जो मांग की है, उस पर सरकार तभी विचार करेगी जब कंपनी भारत में प्रोक्योरमेंट यानी अपनी गाड़ियों में लगने वाले सामान की खरीदारी बढ़ाएगी। मामले के जानकार एक सूत्र ने बताया कि सरकार कंपनी से यह भी जानना चाहती है कि उसने भारत में अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों के उत्पादन को लेकर क्या योजनाएं बनाई हैं। भारी उद्योग मंत्रालय और वित्त मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में हुई एक बैठक में कंपनी से प्रॉडक्शन और प्रोक्योरमेंट का ब्योरा मांगा था। फिलहाल, सरकार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर लगने वाला टैक्स घटाने की एलन मस्क की मांग की पड़ताल कर रही है। सूत्र के मुताबिक संबंधित विभागों ने टेस्ला से यह भी पूछा है कि पूरी तरह से बनी कारों के आयात के बजाय नॉक्ड डाउन यूनिट या आधी बनी गाड़ियों के आयात के बारे में उसका क्या ख्याल है। दरअसल, सड़कों पर भागने के लिए पूरी तरह तैयार गाड़ियों के मुकाबले नॉक्ड डाउन यूनिट या अधबनी कारों पर कम इंपोर्ट टैक्स लगता है। नॉक्ड डाउन यूनिट वह होती है, जिसमें गाड़ी बनाने के लिए जरूरी हर चीज होती है, लेकिन अलग-अलग। इस तरह की यूनिट को इंपोर्ट होकर आने के बाद असेंबल किया जाता है।

टेस्ला चाहती है कि इंपोर्ट ड्यूटी 40 फीसदी रहे और 10 फीसदी का सरचार्ज हटे:- कैलिफोर्निया की कंपनी टेस्ला ने जुलाई में मोदी सरकार को पत्र लिखकर इलेक्ट्रिक गाड़ियों के आयात पर लगने वाला टैक्स घटाने की मांग की थी। 40 हजार डॉलर या इससे कम की गाड़ी विदेश से मंगाए जाने पर 60 फीसदी जबकि 40 हजार डॉलर से ज्यादा की गाड़ी पर 100 फीसदी की इंपोर्ट ड्यूटी लगती है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ई-प्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।